राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 26 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-35 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

पहला कॉलम

तिरुमला में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए एआई तकनीक का सहारा

टीटीडी गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हुआ फैसला

तिरुपति । तिरुमला में श्रद्धालुओं के लिए उच्च स्तरीय आवास की व्यवस्था होगी। 6,282 कमरों के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए 772 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) गवर्निंग काउंसिल ने 2025-26 के वार्षिक बजट को मंजूरी दी। टीटीडी ने प्रमुख मंदिर परियोजनाओं, संपत्ति संरक्षण और तेज दर्शन के लिए एआई तकनीक की योजना तैयार की है। झ टीटीडी के चेयरमैन बी.आर. नायडू और कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने तिरुमाला के अन्नामय्या भवन में आयोजित गवर्निंग काउंसिल की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2025-26 के लिए 5,258.68 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी देने के साथ ही कई अहम प्रस्ताव पास हुए है। श्रीवारी दर्शन में श्रीद्धालुओं को सहुलियत हो, इसके लिए एआई तकनीक प्रदान करने का प्रस्ताव आया है। परिषद आम भक्तों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए वीआईपी ब्रेक दर्शन को सुबह 5¬30 बजे स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दर्शन टिकट बुकिंग लाने की योजना पर काम चल रहा है। टीटीडी ने श्रीनिवास सेवा समिति नामक संस्था को काली सूची में डाल दिया है, जो खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की आड़ में घटिया सामान की आपूर्ति करती थी। इसके अतिरिक्त, संस्था को पहले आवंटित किए गए 25,500 दर्शन कूपन रद्द कर दिए गए हैं।

खजुराहो घूमने आए विदेशी पर्यटकों ने निकाली कलश यात्रा, मंदिर में किया हवन-पूजन

भोपाल। मध्यप्रदेश के छतरपुर के कुछ दूरी पर स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो में मंगलवार को एक खूबसूरत नजारा देखने को मिला। यहां आए 17 विदेशों पर्यटक यहां निकल रही रही ध्वज कलश और ढोल नगाड़ों के साथ खजुराहो के प्राचीन बगराजन माता मंदिर पहुंचे। यहां विदेशी पर्यटकों ने मंदिर में स्थापित देवी देवताओं का अभिषेक किया और शांति-सद्भावना के लिए हवन पूजन किया। इस अनोखे नजारे को देख लोग हैरान भी रह गए। दरअसल रूस से खजुराहो 17 विदेशी पर्यटकों का दल घूमने आया है। इसमें 15 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। सभी पर्यटकों ने शहर के मुख्य मार्ग से होकर कलश यात्रा निकाली। एक पुरुष ने ध्वज हाथ में थामा हुआ था, वहीं बाकी लोग कलश, ढ़ोल नगाड़ों के साथ प्राचीन बगराजन माता मंदिर पहुंचे। मंदिर में देवी देवताओं का अभिषेक किया और राधे-कृष्णा के नाम का संकीर्तन भी किया गया। हवन, पूजन और कीर्तन का मुख्य उद्देश्य युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया में शांति के लिए भगवान से कामना करना था। खजुराहो के इस क्षेत्र में मनाए जाने वाले त्योहार, संस्कृति और वेशभूषा से विदेशी पर्यटक काफी प्रभावित हुए।

तेलंगाना टनल में फंसे 7 लोगों में से एक मजदूर का शव मिला

- हादसे के 32 दिन बाद भी 6 लोगों का नहीं लग पा रहा पता

नागरकुर्नूल। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में स्थित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें 8 मजदूर फंस गए थे। हादसे के 32 दिन बाद मंगलवार को रेस्क्यू टीम को एक और शव मिला है। इसे बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले 9 मार्च को गुरप्रीत सिंह का शव मिला था। बचाव दल के अधिकारियों का कहना है कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। वह किस वर्कर का है। एडवांस मशीनों की मदद से शव को जल्द ही निकाल लिया जाएगा। अभी भी टनल में फंसे 6 वर्कर्स का पता नहीं चल रहा है, बचाव दल उन्हें तलाश रहे हैं। उनके जिंदा होने की संभावनाएं न के बराबर हैं। इससे पहले 15 मार्च को मजदूरों की तलाश के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल रोबोट को तैनात किया था। यह रोबोट एक विशेष तकनीकी से लैस है, जो सर्च ऑपरेशन की रफ्तार बढ़ाने में मदद करता है। अधिकारियों के मुताबिक इस रोबोट के साथ 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और वैक्यूम टैंक मशीन तैनात की गई है, जिससे मिट्टी हटाने का काम किया जाएगा। मैन्युअल खुदाई की बजाय, यह रोबोट ऑटोमैटिक तरीके से मलबा हटाने में सक्षम है। एक घंटे में करीब 620 क्यूबिक मीटर मिट्टी सुरंग से बाहर निकाली जा सकती है। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) इस सर्च ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। ऑपरेशन में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मानव अवशेष खोजी कुत्ते, सिंगरेनी कोलियरीज, हैदराबाद स्थित रोबोटिक्स कंपनी और अन्य यां शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे के बाद टनल में काम कर रहे मजदूर डर के कारण काम छोड़कर चले गए हैं। सीनियर सरकारी अधिकारी ने बताया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट में 800 लोग काम कर रहे हैं। इनमें से 300 लोकल और बाकी झारखंड, ओडिशा और यूपी के हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि शुरुआत में मजदूरों में डर जरूर है। हालांकि कंपनी ने उनके लिए आवासीय कैंप बनाए हैं। कुछ लोग वापस जाना चाहते हैं, लेकिन हमारे पास इस बात की कोई रिपोर्ट नहीं है कि सभी मजदूर एक साथ छोड़कर जा रहे हैं।

मुसलमानों को ईदी के रुप में सौगात- ए- मोदी किट गिफ्ट में देगी बीजेपी

-32 लाख गरीब मुसलमानों को गिफ्ट देने का अभियान शुरु

नई दिल्ली ।

सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ ईद से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) गरीब मुसलमानों को तोहफा बांटने का अभियान शुरू करने वाली है।

बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा सौगात-ए-मोदी अभियान चलाकर 32 लाख गरीब मुसलमानों को गिफ्ट देगी। मंगलवार को अभियान दिल्ली के निजामुद्दीन से शुरू हुआ। अभियान की निगरानी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कर रहे है। बीजेपी का कहना है कि गरीब मुसलमान भी शान से ईद मना सकें, इसके लिए उन्हें एक किट गिफ्ट में मिलेगी।

बीजेपी के 32 हजार कार्यकर्ताओं को यह काम सौंपा गया है। बीजेपी का हर कार्यकर्ता एक मस्जिद की जिम्मेदारी लेगा। इस तरह से देशभर में 32 हजार मस्जिदों को कवर करने का प्लान है।

इसके बाद गरीब मुसलमानों को ईद से पहले ही गिफ्ट दिया जाएगा। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ईद, भारतीय नववर्ष, नौरूज, ईस्टर, गुड फ्राइडे को देखकर बीजेपी यह अभियान चला रही है।

उन्होंने कहा कि बहुत सारे अल्पसंख्यक हैं जो कि अपना त्यौहार भी ठीक से नहीं मना पाते हैं। इसके बाद उन्हें बीजेपी सौगात-ए-मोदी पेश करेगी। इसके अलावा जिला स्तर पर ईद मिलन कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

अल्पसंख्यक मोर्चा में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी यासिर जिलानी ने कहा कि यह अभियान मुस्लिम समुदाय के लिए योजनाओं को प्रमोट करने के लिए चलाया जा सके जिससे कि एनडीए को भी राजनीतिक समर्थन मिले।

पवित्र रमजान के महीने में ईद से पहले बीजेपी का यह अभियान बेहद अहम माना जा रहा है। अभियान से बीजेपी 32 लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंचना चाहती है। सौगात-ए-मोदी किट में कपड़े, सेंवइयां, खजूर, मेवे और चीनी होगी। इसके अलावा महिलाओं को दी जाने वाली किट में सूट का कपड़ा होगा और पुरुषों की किट में कुर्ता पायजामा का कपड़ा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक किट की कीमत 500 से 600 रुपये होगी।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन माओवादी ढेर

दंतेवाड़ा।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। दंतेवाड़ा और बीजापुर की सरहद पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें जवानों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। सूत्रों के अनुसार, 25 मार्च की सुबह करीब 8 बजे से ही यह मुठभेड़ जारी थी। सुरक्षाबल इलाके में नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे, तभी नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन तेज कर दिया है ताकि अन्य नक्सलियों की मौजूदगी का पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सके।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह का दावा- कश्मीर में खत्म हुआ अलगाववाद

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को ट्वीट कर बड़ा दावा किया कि कश्मीर में अलगाववाद अब इतिहास की बात हो चुका है। पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को जड़ से खत्म कर दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने ट्वीट में लिखा, कि हुर्रियत के दो संगठनों, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। यह भारत की एकता को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा, कि मैं सभी ऐसे समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए समाप्त करें।

गौरतलब है कि गृहमंत्री शाह ने संसद में भी इस मुद्दे को उठाया था और कहा था, कि कश्मीर में अलगाववादियों द्वारा किए जाने वाले पथराव और हड़ताल का दौर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद से क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। सदन को शाह ने बताया कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में 70 फीसदी तक की गिरावट आई है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के कामकाज पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि इस कदम ने राज्य में स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सुरक्षा को बढ़ावा दिया है।

संविधान निर्माताओं का सपना हुआ साकार

शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को समाप्त कर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने संविधान निर्माताओं के सपने को पूरा किया, जिन्होंने इसे अस्थायी प्रावधान कहा था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 34 वर्षों तक कश्मीर में सिनेमा हॉल बंद रहे और मुहर्रम के जुलूस निकालने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब सिनेमा हॉल फिर से खुल गए हैं और लोग शांतिपूर्वक मुहर्रम के जुलूस निकाल रहे हैं।

कश्मीर को मिला वैश्विक मंच

गृहमंत्री शाह ने कश्मीर में सफलतापूर्वक आयोजित हुए जी-20 शिखर सम्मेलन का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने कश्मीर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित कर दिया है और यह क्षेत्र अब दुनिया भर के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

उड़ान भरने से पहले विमान से टकराया पक्षी, ब्रेक लगाते ही यात्री घबराए

-तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट ने रद्द की उड़ान, विमान को वापस बे में भेजा

बेंगलुरू।

तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरू जा रहा इंडिगो विमान 6ई 6629 रनवे पर एक पक्षी उसके बाएं इंजन से टकराया। विमान में सवार एक यात्री ने कहा कि पायलट और सह-पायलट ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे सभी यात्रियों का झटका लगा। सोमवार सुबह तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पक्षी से टकराने के बाद बेंगलुरू जाने वाली इंडिगो उड़ान रद्द कर दी गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6श्व 6629 179 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाली थी। घटना के बाद विमान को तुरंत निरीक्षण के लिए वापस बे में ले जाया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एयरलाइन ने उड़ान रद्द करने और प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का फैसला लिया। बता दें ऐसी ही घटना पिछले साल दिसंबर में दिल्ली से शिलांग जा रही फ्लाइट से पक्षी के टकराने के बाद पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। विमान से पक्षियों के टकराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। जब कोई विमान किसी पक्षी से टकराता है, तो इस घटना को पक्षी से टकराना या पक्षी हमला कहा जाता है। पिछले कुछ सालों में, दुनिया भर में पक्षियों से टकराने की सैकड़ों घटनाएँ हुई हैं। पिछले साल दिसंबर में, दक्षिण कोरिया में एक पक्षी से टकराने की घटना में विमान में सवार 124 लोगों की जान चली गई थी।

एक राष्ट्र- एक चुनाव के लिए फिर मानसून सत्र तक करना होगा इंतजार

नई दिल्ली।

देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले दो विधेयकों पर विचार हेतु गठित संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट सौंपने के लिए कार्यकाल मानसून सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक के लिए बढ़ाया गया। इस संयुक्त समिति के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद पीपी चौधरी ने समिति का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, इस सदन ने ध्वनमति से मंजूरी दे दी गई। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ करने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' पर संसद की 39 सदस्यीय संयुक्त समिति विचार कर रही है। समिति को बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक रिपोर्ट देने को कहा गया था। इन विधेयकों को पिछले साल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था और समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस अवधारणा का जोरदार समर्थन किया था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया और मोदी सरकार ने लोकसभा में दो विधेयक पेश किए, जिनमें से एक संविधान संशोधन विधेयक भी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा सांसद एवं पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी की अध्यक्षता में 39 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति गठित की थी।

बता दें कि 1951 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ होते थे। 1999 में विधि आयोग की रिपोर्ट में भी इसकी सिफारिश हुई थी। 2015 में संसदीय समिति की 79वीं रिपोर्ट में एक साथ चुनाव कराने के तरीके बताए गए। मोदी सरकार का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च और समय दोनों ही बचेगा।

राहुल ने दी गारंटी बोले-

1 मई से एटीएम से नकद निकालना और बैलेंस चेक करना होगा महंगा

नई दिल्ली ।

1 मई से एटीएम से नकद निकालना और बैलेंस चेक करना महंगा होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम इंटरचेंज फीस बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, इससे ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यदि कोई व्यक्ति अपने बैंक के बजाय किसी अन्य बैंक के एटीएम का उपयोग करता है, तब उस शख्स को ज्यादा चार्ज देना पड़ेगा। यह बदलाव व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर्स की मांग पर हुआ है, इस मांग को आरबीआई की स्वीकृति मिल चुकी है। नई दरों के अनुसार, कैश निकालने पर अब 17 रुपये के बजाय 19 रुपये देना होगा, जबकि बैलेंस चेक करने पर 6 के स्थान पर 7 रुपये का शुल्क लगेगा। ये शुल्क केवल तभी लागू होगा, जब ग्राहक अपनी मुफ्त ट्रांजैक्शन सीमा पार कर लेगा। वर्तमान नियमों के अनुसार, मेट्रो शहरों में बैंक ग्राहकों को पांच और नॉन-मेट्रो शहरों में तीन मुफ्त ट्रांजैक्शन की सुविधा दी जाती है। यह निर्णय नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के प्रस्ताव के आधार पर हुआ है। व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर्स का कहना है कि बढ़ती लागत को पूरा करने के लिए इंटरचेंज फीस बढ़ाना जरूरी था। कोरोना के बाद से नकदी निकासी और एटीएम रखरखाव पर खर्च बढ़ा है, इसकारण यह कदम उठाया गया है। इससे छोटे बैंकों के ग्राहकों को अधिक परेशानी हो सकती है, क्योंकि इनके पास सीमित संख्या में एटीएम होते हैं। इसतरह के ग्राहक जो अन्य बैंकों के एटीएम पर निर्भर हैं, उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि लोग एटीएम शुल्क बचाने के लिए यूपीआई और ऑनलाइन बैंकिंग की ओर रुख कर सकते हैं। यदि ग्राहक इस अतिरिक्त शुल्क से बचना चाहते हैं, तब उन्हें अपने बैंक के एटीएम का अधिक उपयोग करना चाहिए और डिजिटल ट्रांजैक्शन को अपनाना चाहिए। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग जैसी सेवाओं का उपयोग कर अतिरिक्त शुल्क से बचा जा सकता है।

रेखा गुप्ता का पहला बजट, केजरीवाल सरकार के बजट से कितना अलग

नई दिल्ली ।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 27 साल बाद बीजेपी की सरकार बनने पर अपना पहला बजट पेश किया है। खास बात ये है कि दिल्ली का इस बार का बजट एक लाख करोड़ रुपये का है। सीएम गुप्ता ने कहा कि इस बार हमारा फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर पर होगा। पिछली बार जब आप नेता आतिशी ने बजट पेश किया था तब वहां 76 हजार करोड़ का था। हम आपकों बात रहे हैं ये केजरीवाल के बजट से कितना अलग है।

इस बार दिल्ली सरकार का बजट एक लाख करोड़ रुपये का है, जो पिछले साल की तुलना में 31.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, इस बार महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ आवंटित हुए हैं। सीवेज सिस्टम को सुधारने के लिए 500 करोड़ रुपये दिए गए है। कनेक्टिविटी सुधार के लिए एक हजार करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। राजधानी में 100 जगह पर अटल कैंटीन शुरु होगी। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान है। दिल्ली में सुरक्षा के लिहाज से 50 हजार अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। दिल्लीवासियों को 10 लाख रुपये का बीमा मिलेगा (जन आरोग्य योजना में पांच लाख का अतिरिक्त बीमा सहित)। महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये दिए जाएंगे। गर्भवती महिलाओं के लिए 210 करोड़ रुपये आवंटन किया गया। झुग्गी-झोपड़ियों के लिए 696 करोड़ रुपये आवंटित। जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 9000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इसके अलावा यमुना सफाई के लिए भी 500 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

जानें पिछले बजट की खास बातें

जबकि पिछली बार आप सरकार ने बजट पेश किया था तब मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पेश की गई थी। योजना के तहत हर महीने 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को एक हजार रुपये देने की तैयारी थी।

महिलाओं के कल्याण और उनके सशक्तीकरण के लिए 2024-2025 के बजट में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत 2000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

वहीं, आतिशी ने ऐलान किया था कि वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए दिल्ली का शिक्षा बजट 16,396 करोड़ रुपये है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के लिए 8685 करोड़ रुपये आवंटित थे। 2024-2025 के बजट में पेंशनधारियों के लिए 2714 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। महिलाओं एवं बच्चों के विकास के साथ-साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के कल्याण के लिए 6216 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। दिल्ली जल बोर्ड के लिए 2024-2025 में 7195 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

(लेखक- ललित गर्ग)

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए।

अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

भारत के सहयोग से हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और वह जीडीपी वृद्धि कर रहा था। लेकिन उनके तख्तापलट के बाद से विकास में तेजी से गिरावट आई है और देश मंदी की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक और आईएमएफ का कहना है कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की विकास-दर आधी हो गई है और उसका कपड़ा उद्योग-जो उसके विकास का आधार था-बेरोजगारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लेकिन अंतरिम सरकार मौजूदा स्थिति के लिए हसीना सरकार को दोषी ठहराती है, यह बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति है। लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, वही बांग्लादेश क्या सोचकर भारत से दूरियां बढ़ाई? अब अपनी गलती का अहसास करते हुए वह भारत से दोस्ती चाहता है तो भारत को सतर्कता, सावधानी, दूरगामी सोच, कूटनीतिक सोच से कदम उठाने चाहिए।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

संपादकीय

नगदी और न्याय

दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक स्टोररूम से कथित रूप से बेहिसाब नगदी की बरामदगी ने देश के जनमानस व न्यायिक बिरादरी को झकझोरा है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक जांच समिति गठित की है। वहीं पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गलत सूचनाओं को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है। इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। ऐसा जरूरी भी था क्योंकि उच्च न्यायपालिका की ईमानदारी और विश्वसनीयता दांव पर है। हालांकि, न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। इस बयान ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। सवाल उठाया जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन लोग शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवालों का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपनाए गए ऐतिहासिक- 'न्यायिक जीवन के मूल्यों का पुनर्कथन' में यह निर्दिष्ट किया गया था कि किसी न्यायाधीश द्वारा ऐसा कोई कार्य या चूक नहीं होनी चाहिए, जो उनके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के अनुरूप न हो।' निस्संदेह, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कम करने वाले किसी भी विवाद की गहरी जांच होनी चाहिए। साथ यह भी जरूरी है कि जांच निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूरी हो। वास्तव में सत्य, न्याय और न्यायिक जवाबदेही के हित में ऐसे मामलों में कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाने का दायित्व अदालतों और जांच एजेंसियों का है। बहरहाल,शीर्ष अदालत ने विवादों में घिरे न्यायाधीश के प्रति सख्त रवैया अपनाते हुए उन्हें न्यायिक कामकाज से अलग रखने के निर्देश दिए हैं। सार्वजनिक विमर्श में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की चर्चा भी रही। इस मामले में शीर्ष अदालत ने जिस तरह तत्परता से कार्रवाई की और पारदर्शिता बनाये रखने के लिये कदम उठाए, उसे सराहा गया। यहां तक कि दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घटनाक्रम से जुड़े कॉल्स सुरक्षित रखने को कहा है। यहां तक कि अदालत ने पिछले छह माह के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस से मांगे हैं। वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक विमर्श में ला दी है। निश्चित रूप से न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से बेदाग होने की उम्मीद की जाती है। सोशल मीडिया पर इस प्रकरण से जुड़ी सामग्री के वायरल होने के बाद लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस मामले में निष्पक्ष जांच होगी, ताकि सच सामने आ सके। यदि कोई साजिश है तो उसका खुलासा हो और यदि नहीं तो न्यायिक व्यवस्था की शुचिता अक्षुण बनाये रखने के लिये सख्त कार्रवाई की जाए। यह एक हकीकत है कि अन्याय के विरुद्ध उम्मीद की अंतिम किरण लेकर व्यक्ति न्याय की चौखट पर दस्तक देता है।

आग न लगती तो न्यायपालिका में भ्र्ष्टाचार का धुंवा न उठता!

(लेखक- श्रीगोपाल नारसन)

दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना ने भ्र्ष्टाचार की आग को हवा दे दी है। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड को जज के घर से लगभग 15 करोड़ नकदी मिलने की खबर ने देश भर में हंगामा मचा दिया है। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके मूल कोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का फैसला लिया, और अब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उनके खिलाफ जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित कर दी है। सन 2009 में भी पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस निर्मल यादव पर 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था, इस मामले में एक वकील ने दावा किया था कि उसने गलती से रिश्वत की राशि गलत जज के घर भेज दी थी, जिसके बाद यह मामला चर्चाओं में रहा।मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.डी. दिनाकरण पर तमिलनाडु में अवैध जमीन अर्जित करने और आय से अधिक संपत्ति के एकत्र करने के आरोप लगे थे,उनके खिलाफ 16 शिकायतें दर्ज की गईं थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनकी सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति रोक दी थी,जांच के दबाव में उक्त जज ने सन 2011 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।इसी प्रकार सन 2017 में कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जस्टिस सी.एस. कर्णन ने सुप्रीम कोर्ट के कई जजों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे,उनके खिलाफ अवमानना का मामला भी चला, और उन्हें छह महीने की जेल भी हुई।सन 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों ने पत्रकार वार्ता कर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर मनमाने ढंग से केस बांटने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था, भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था कि जज अपनी ही न्यायपालिका पर पत्रकार वार्ता कर सवाल खड़े कर रहे थे।वही सन 2021 में मुंबई हाई कोर्ट में जज रहे एक न्यायमूर्ति पर रिश्वत लेकर फैसले देने के आरोप लगे थे, बाद में यह मामला जांच के अभाव में ठंडे बस्ते में चला गया। न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा दे रहा है।भृष्ट जजो को हटाने का महाभियोग ही एकमात्र संवैधानिक उपाय है, लेकिन अब तक इसका भी सफल इस्तेमाल नहीं हो पाया है।हालांकि

न्यायाधीश यशवंत वर्मा का कहना है कि जिस कमरे में नोटों की गड्डियां मिलीं, वह उनके मुख्य आवास से अलग है और कई लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को भेजे अपने एक लंबे स्पष्टीकरण में न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि 14 मार्च की देर रात होली के दिन दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास के स्टाफ क्वार्टर के पास स्थित स्टोर रूम में आग लग गई थी। इस कमरे का इस्तेमाल आम तौर पर सभी लोग पुराने फर्नीचर, बोतलें, क्रॉकरी, गद्दे, इस्तेमाल किए गए कालीन, पुराने स्पीकर, बागवानी के उपकरण और सीपीडब्ल्यूडी की सामग्री जैसे सामान रखने के लिए करते थे,यह कमरा खुला है और सामने के गेट के साथ-साथ स्टाफ क्वार्टर के पिछले दरवाजे से भी इसमें प्रवेश किया जा सकता है।यह मुख्य आवास से अलग है और निश्चित रूप से मेरे घर का कमरा नहीं है, जैसा कि बताया जा रहा है।वही वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने जज के यहां भारी मात्रा में नकदी मिलने को लेकर चिंता जताई है। सिब्बल ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे को गंभीर बताया है।भ्रष्टाचार कम होने के दावों पर सवाल उठाते हुए सिब्बल ने कहा,भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है और पीएम मोदी के भ्रष्टाचार कम होने के दानों के बावजूद यह बढ़ा है। जब लोकपाल को लेकर प्रदर्शन हुआ था, तब सभी राजनीतिक दल कांग्रेस पर आरोप लगाते थे। इसके बाद लोकपाल बिल आ गया, लेकिन क्या हुआ। सरकार गिरा दी गई और इसके बाद कुछ नहीं किया गया। न केजरीवाल ने कुछ किया और न ही प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ किया। बस एक लोकपाल को बैठा दिया गया।राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दावा किया कि लोगों का न्यायिक प्रणाली में विश्वास कम हो रहा है। सिब्बल ने कहा कि विकल्प तभी मिल सकते हैं, जब सरकार और न्यायपालिका दोनों स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां कारगर नहीं रह गई हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग लगने के बाद भारी मात्रा में कैश मिलने पर मचे विवाद के बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि मामले की जांच इन-हाउस कमेटी से नहीं बल्कि सीबीआई या ईडी से होनी चाहिए। उन्होंने जस्टिस वर्मा के लिए जेल की सजा की मांग की।दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस कमिश्नर द्वारा भेजी गईं कुछ रिपोर्टों को भी शामिल किया है जिसमें ये कहा गया है कि स्टोर रूम में 4-5 अधजली बोरियों में कैश मिला है।जस्टिस डीके उपाध्याय ने लिखा है कि उनकी जाँच के मुताबिक़ स्टोर रूम में केवल घर में रहने वाले लोगों, नौकरों और मालियों का आना जाना था, इसलिए इस मामले में और जांच की ज़रूरत है।

पुलिस कमिश्नर ने जस्टिस डीके उपाध्याय के साथ कुछ फ़ोटो और एक वीडियो भी शेयर किए हैं,जिनमें एक कमरे में नोट जलते दिख रहे हैं।जस्टिस डीके उपाध्याय का कहना है कि उन्होंने ये फ़ोटो और वीडियो सुप्रीम कोर्ट के चीफ़ जस्टिस संजीव खन्ना को भी भेजीं है और इन्हें जस्टिस यशवंत वर्मा को भी दिखाया है।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के टिप्पणीकार व वरिष्ठ अधिवक्ता है)

(चिंतन-मनन)

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

विचार मंथन

भाषा विवाद राष्ट्रीयता के लिए खतरा, हिन्दी भाषा को नुकसान

(लेखक- सनत जैन)

तमिलनाडु में एक बार फिर भाषा विवाद का मुद्दा गर्मा गया है। कई दशकों से भाषा के मुद्दे पर जो भी विवाद सामने आए हैं। उसके कारण भारत की राष्ट्रीयता एकता और अखंडता में दरार डालने और हिन्दी भाषा को कमजोर करने का काम भाषा विवाद ने किया है। जैसे ही भाषा का विवाद शांत होता है। राजनीति के चलते उसे फिर से गरमा दिया जाता है। जिसके कारण भाषा का विवाद हर बार एक नए रूप में सामने आता है। केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा नीति के तहत त्रिस्तरीय भाषा फार्मूला में हिंदी को अनिवार्य किए जाने से एक बार फिर हिन्दी भाषा का मामला तूल पकड़ गया है। तमिलनाडु इसे सांस्कृतिक हमला बता रहा है। तमिलनाडु पर जबरिया हिंदी थोपने की बात की जा रही है। प्रशासकीय व्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था में जबरिया हिंदी थोपने की बात कही जा रही है। तमिलनाडु इसे राज्यों की स्वतंत्रता पर केंद्र का हमला बता रहा है। भारतीय संविधान राज्यों को अपनी भाषा के आधार पर नीतियां बनाने की अनुमति देता है। तमिलनाडु में हिंदी का प्रचलन पिछले दशकों में बढ़ता चला जा रहा है। स्कूलों में भी हिंदी पढ़ने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। जिस तरह से हिंदी भाषा को केन्द्र सरकार द्वारा अनिवार्य किया जा रहा है। उसके कारण एक बार फिर हिंदी के विरोध में दक्षिण के राज्य खड़े हो रहे हैं। तमिलनाडु में अभी 2 स्तरीय भाषा फार्मूला है। जिसमें तमिल और अंग्रेजी की अनिवार्यता है। तमिलनाडु सरकार का मानना है, यहां की शिक्षा व्यवस्था के लिए यही दो भाषा पर्याप्त हैं. केंद्र सरकार को यदि तीन भाषाओं का फार्मूला लागू करना था। तो इसमें हिंदी संस्कृत एवं अन्य भाषाओं को ऐच्छिक रखा जाना चाहिए था। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति को लेकर एक बार फिर भाषा को लेकर केंद्र एवं राज्यों के बीच में तकरार शुरू हो गई है। पहली बार 1937 में हिंदी को अनिवार्य किए जाने की कवायत शुरू हुई थी। मद्रास प्रेसीडेंसी की कांग्रेस सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया था। इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया था। तत्कालीन जस्टिस पार्टी और पेरियार ने इसके विरोध में आंदोलन शुरू कर दिए थे। 1940 में यह नीति वापस ले ली गई थी। उसके बाद 1965 में भारत सरकार ने राजभाषा अधिनियम के प्रावधान के तहत हिंदी को अनिवार्य करने का निर्णय लिया। उस समय भी दक्षिण के राज्यों में इसका भारी विरोध हुआ। भाषा का विवाद राज्यों के पुनर्गठन के समय भी बड़े पैमाने पर देखने को मिला था। भाषा के आधार पर ही कई राज्यों का गठन हुआ। जब-जब भाषा विवाद हुए है, उसमें हिंसा भी हुई है। भाषा एक ऐसा विषय है, जिसको लेकर नागरिक भावात्मक रूप से भाषा के पक्ष में खड़े होते हैं। जब-जब भाषा को राजनीति का हिस्सा बनाया जाता है। इसका व्यापक असर जन सामान्य के बीच देखने को मिलता है। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा त्रिस्तरीय भाषा फार्मूला को लेकर जो शिक्षा नीति बनाई गई है। उसने एक बार फिर राज्यों को भाषा के आधार पर उद्वेलित कर दिया है। तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। आगे चलकर अन्य गैर हिंदी भाषा के राज्यों में भी इस तरह के विवाद उग्र हो सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में भाषा को लेकर इस तरह का विवाद कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है। एआई के इस दौर में जब किसी भी भाषा में पूछे गए प्रश्न का उत्तर किसी भी भाषा से प्राप्त हो सकता है। किसी भी भाषा में लिखे गए शब्दों का किसी भी भाषा में ट्रांसलेशन हो सकता है, वह भी पलक झपकाए बिना। ऐसी हालत में भाषा को लेकर जो विवाद देखने को मिल रहे हैं। वह देश का नुकसान करने वाले हैं। भाषा का विषय बहुत संवेदनशील मसला होता है। इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करना कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है। मातृभाषा से शिक्षा एवं ज्ञान बेहतर तरीके से अर्जित किया जा सकता है। अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित है। अंग्रेजी का ज्ञान होना भी आवश्यक है। तीसरी भाषा के रूप में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों के ज्ञान की शिक्षा महत्वपूर्ण हो गई है। केंद्र सरकार को तीन शिक्षा का फार्मूला लाना ही है। तो पहली मातृभाषा दूसरी अंग्रेजी भाषा और तीसरी भाषा के रूप में हिंदी या अन्य जो भी भाषा छात्र पढ़ना चाहता है। उसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए हमारे विचार से तो तीसरी भाषा के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में कंप्यूटर और डिजिटल शिक्षा को अनिवार्य करना था। केंद्र सरकार को बजाय विवाद को बढ़ाने के स्थान पर छात्रों की शिक्षा रोजगार मुखी हो। इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। कम्प्यूटर एवं डिजिटल शिक्षा को अनिवार्य बनाने की जरूरत है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में 1,000 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। यह खबर मंगलवार को कंपनी ने पांच बाजारी में जानकारी देते हुए साझा की। जनवरी में हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना गोदरेज मैडिसन एवेन्यू की शुरुआत करने के साथ ही गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अपने पहले हफ्ते में 300 से अधिक मकानों की बिक्री की। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस सफलता को एक प्रस्तावित भविष्य के लिए माना और कहा, हमें खुशी है कि हमारी पहली परियोजना की इस प्रतिक्रिया ने हमें उम्मीद एवं विश्वास दिया है कि हैदराबाद में हमारे लिए व्यापक अवसर हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है और जल्द ही हैदराबाद में अपनी दूसरी परियोजना की शुरुआत करने की योजना बना रही है। उसने कोकापेट में गोदरेज मैडिसन एवेन्यू के तहत लोकप्रिय आवासीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उम्मीद जताई है।

सुजलॉन एनर्जी फिर बनेगा रॉकेट!

नई दिल्ली। बाजार में हालिया गिरावट के बाद रिकवरी के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एनर्जी स्टॉक सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर बाय की रेटिंग देते हुए कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 70 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। इस तरह से स्टॉक आगे चलकर 21 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर सोमवार को 57.92 रूपए पर बंद हुए। मंगलवार को शुरुआत में यह बीएसई पर 1.50 फीसदी चढ़कर 58.79 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले कुछ समय से स्टॉक पर दबाव देखा जा रहा था। स्टॉक अपने हाई से 33 फीसदी टूट गया है। पिछले तीन महीने में शेयर 9.29 फीसदी और छह महीने में 29.11 फीसदी गिरा है। हालांकि, शेयर में अब वापसी का ट्रेंड बना रहा है और एक महीने में यह 7.79 फीसदी चढ़ गया है। पिछले एक साल में स्टॉक ने 57.43 फीसदी और दो साल में 677.78 फीसदी का जोरदार रिटर्न दिया है। स्टॉक का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो 36.80 रुपये है। बीएसई पर कंपनी का टोटल मार्केट कैप 80,143.33 करोड़ रुपये है।

रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ 85.84 डॉलर पर

रुपया पिछले कारोबारी दिन 85.61 पर बंद हुआ था

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.59 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद थोड़ा फिसलकर 85.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.31 पर रहा। आयातकों की ओर से महीने के ओ खिरी में अमेरिकी मुद्रा की मांग इसकी मुख्य वजह रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और विदेशी पूंजी प्रवाह ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया।

इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च, कीमत महज 1.20 लाख रुपये

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च किया है। इस अभूतपूर्व डिमांड ने ओला इलेक्ट्रिक और अन्य ईवी कंपनियों के लिए एक नई चुनौती पेश कर दी है। महज 1.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत वाले इस स्कूटर ने दो हफ्तों में ही 50,000 से ज्यादा बुकिंग्स हासिल कर ली हैं। अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव के सीईओ नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि टेसरैक्ट को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने इसे न सिर्फ एक इलेक्ट्रिक स्कूटर, बल्कि यात्रा के तरीके में बदलाव लाने वाला क्रांतिकारी उत्पाद बताया। टेसरैक्ट को डेजर्ट सैंड, स्टेल्थ ब्लैक, सोनिक पिंक और सोलर व्हाइट जैसे चार रंग विकल्पों में पेश किया गया है। इसकी बुकिंग केवल 999 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह स्कूटर आधुनिक तकनीक से लैस है और इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन टीएफटी डिस्प्ले, इंटीग्रेटेड डैशकैम, वायरलेस चार्जिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें डुअल-रडार सिस्टम, फ्रंट और रियर कैमरे, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन और कोलिजन वार्निंग जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, इसमें डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनामिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी दी गई हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण जीडीपी में तीन प्रतिशत का नुकसान : नितिन गडकरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि हम सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत का नुकसान हो रहा है।नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'सड़क सुरक्षा के लिए तकनीकी हस्तक्षेप -भारत-अमेरिका साझेदारी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं हमारी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। हर साल देश में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1,88,000 लोगों की मौत होती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷जान गंवाने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष की आयु के 66 प्रतिशत लोग होते हैं। युवा, प्रतिभाशाली, इंजीनियरिंग स्नातक, मेडिकल छात्रों के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वहीं, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का यह आंकड़ा 10,000 है। अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों के आसपास वाले इलाकों में होती हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि हम इन दुर्घटनाओं के साथ अपनी जीडीपी का तीन प्रतिशत खो रहे हैं।' उन्होंने सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय परिदृश्य में एक समस्या यह है कि हम डीपीआर सलाहकार के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें कभी-कभी लागत और बचत आदि पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उनमें सुधार किया जा सकता है। इन सुधारों के साथ मौजूदा सरकार ने सड़क हादसों में मौत के आंकड़ों में 48 प्रतिशत और सड़क दुर्घटनाओं में 49 प्रतिशत की कमी की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए उनके सही कारणों का पता लगाया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों का लाभ उठाते हुए, अब हम बेहतरीन यातायात प्रणाली के संबंध में बहुत सारे कदम उठा रहे हैं। इसके कार्यान्वयन के संबंध में बहुत सारे निर्णय लिए गए हैं।' गडकरी ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए स्कूली शिक्षा में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देने की जरूरत पर जोर दिया।

ईएसआई स्कीम के तहत 18 लाख नए कर्मचारी जुड़े

महिलाओं और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी मिली राहत

नई दिल्ली।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ईएसआई स्कीम के तहत जनवरी महीने में भारतीय नौकरियों को बेहतर सोशल और फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान की गई है। यह स्कीम कमाई रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन की गई है जो आयु 25 वर्ष से कम है और जिनका मासिक वेतन 21,000 रुपये या इससे कम है। नए कर्मचारियों के 47.66 फीसदी के रजिस्ट्रेशन को दर्ज किया गया है, जिसमें शामिल हैं 8.67 लाख कर्मचारी। इसमें से 3.65 लाख महिला कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, जनवरी में 85 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया। ईएसआई स्कीम के तहत कर्मचारी को मिलने वाले कई फायदे हैं, जैसे कि निञ्शुल्क इलाज, बीमा आवास, मैटरनिटी बेनिफिट्स और समाजिक सुरक्षा। इसके अलावा, अगर किसी बीमित कर्मचारी की मौत होती है, तो उसके आश्रितों को मासिक पेंशन भी प्रदान की जाती है। ईएसआई स्कीम को सफल बनाने के लिए अब और भी अधिक लोगों को इसमें शामिल करने की जरूरत है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के भविष्य की सुरक्षा में मदद मिले।

एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च

नइ ंदिल्ली। भारत में होंडा ने अपने लोकप्रिय स्कूटर एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर दो वेरिएंट्सएक्टिवा ई स्टेंडर्ड और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ में उपलब्ध है। दोनों वेरिएंट्स में सबसे बड़ा अंतर डिस्प्ले और कनेक्टिविटी फीचर्स का है। इसकी डिलीवरी शुरू हो चुकी है और जिन ग्राहकों ने इसे पहले बुक किया था, उन्हें यह मिलना शुरू हो गया है। स्टैंडर्ड मॉडल में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले मिलता है, जबकि रोडसिंक डुओ में 7-इंच का टीएफटी डिस्प्ले, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, नेविगेशन, लाइव ट्रैकिंग और ओटीए अपडेट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस स्कूटर में 1.5केडब्ल्यूएच के दो स्वैपेबल बैटरी पैक हैं, जिससे 102 किलोमीटर की रेंज मिलती है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी प्रति घंटा है और यह 6केडब्ल्यू पीएमएसएम मोटर से लैस है। चार्जिंग के लिए इसे 6-7 घंटे का समय लगता है, लेकिन स्वैपेबल बैटरी की वजह से मात्र 1 मिनट में बैटरी बदली जा सकती है। स्कूटर में फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक, यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और अंडर-सीट स्टोरेज जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। स्वैपेबल बैटरी तकनीक के कारण यह स्कूटर लंबी दूरी की यात्राओं को आसान बनाता है। अपनी दमदार बैटरी, लंबी रेंज और एडवांस फीचर्स के चलते एक्टिवा ई भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में बड़ी पहचान बना सकता है। होंडा ने एक्टिवा ई स्टेंडर्ड की कीमत रुपए1,17,000 (एक्स-शोरूम) और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ की कीमत रुपए 1,51,600 (एक्स-शोरूम) रखी है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। अंत में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 32.81 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 78,017.19 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 10.30 अंक ऊपर आकर 23,668.65 अंकों पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 78,296.28 अंकों पर और निफ्टी 23,869.60 अंकों तक पहुंच गया पर इसके बाद बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आ गया। ।

आज सेंसेक्स की केवल 10 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही जबकि बाकी की सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 34 कंपनियों के शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा 3.32 फीसदी उछले वहीं जोमैटो के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.57 फीसदी की गिरावट रही।

आज बजाज फिनसर्व के शेयर 2.16 फीसदी, इंफोसिस 1.71 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.21 फीसदी, भारती एयरटेल 0.98 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी, एचसीएल टेक 0.94 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.30फीसदी, टीसीएस 0.29 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.14 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, आज इंडसइंड बैंक के शेयर 5.09 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.89 फीसदी, सनफार्मा 1.42 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.39 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.34 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.23 फीसदी, एसबीआई 1.07 फीसदी, टाटा स्टील 1.04 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.96 फीसदी और पावरग्रिड के शेयर 0.84 फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में ` मिले सकारात्मक रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुले। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क की घोषणा से पहले यह उम्मीद की जा रही है कि वह सख्त रुख नहीं अपनाएंगे और कुछ देशों पर ही शुल्क लगाएंगे। इस उम्मीद से एशियाई और अमेरिकी बाजारों में पॉजिटिव माहौल है। इसका असर मंगलवार को भारतीय बाजारों पर भी` दिखाई दिया। सेंसेक्स जोरदार तेजी के साथ 78,296.28 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी बढ़त लेकर 23,751.50 पर खुला।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

31 मार्च तक प्रोसेसिंग फीस माफ

मुंबई।

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा।बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को अतिरिक्त 0.05 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही प्री-पेमेंट, प्री-क्लोजर और पार्ट-पेमेंट चार्ज भी शून्य है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। हालांकि, इस बैंक में प्रोसेसिंग फीस के रूप में लोन राशि का 0.50 फीसदी लिया जाएगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये तीनों बैंक आपको 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर पर होम लोन तभी प्रदान करेंगे जब आपका क्रेडिट स्कोर या सिबिल स्कोर उच्च होगा।

सेल की डिजिटल परिवर्तन के लिए साझेदारी

सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा

नई दिल्ली। महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सेल ने इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी में डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह साझेदारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने, कंपनी के प्रदर्शन को अनुकूलित करने और तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में निरंतर विकास को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। इस साझेदारी के माध्यम से सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा, जो कंपनी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद करेगा। साझेदारी में सेल और मैकिन्से ने अपनी तकनीकी ज्ञान और कौशल का संयोग किया है ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा सकें। इसके माध्यम से एकत्रित होकर, वे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू करने के लिए काम करेंगे और कंपनी को नए उच्चायों तक पहुंचाएंगे।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर।

सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा। आशय पत्र के माध्यम से, दोनों देश समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं में सहयोग करने का संकल्प लेंगे और इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने का प्रस्ताव शामिल होगा। यह साझेदारी समझौते के

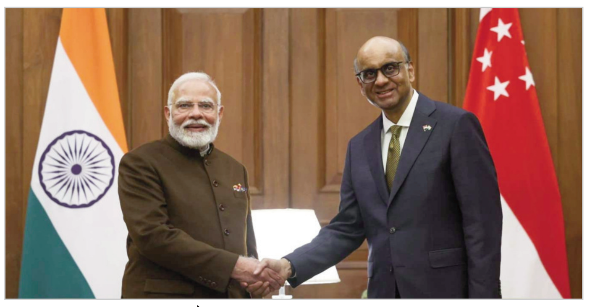

जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेगी। इस समुद्री डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणीता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो हरित समुद्री ईंधन के निर्यात में मदद करेगा। इसके साथ ही सिंगापुर की गतिशील अनुसंधान और नवाचार परिवेश भी समर्थन करेगा।

अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट की गाड़ियों की बढेगी कीमतें

नई दिल्ली

।अगले महीने अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने जा रही हैं। इससे पहले मारुति सुजुकी, होंडा, टाटा मोटर्स और किआ जैसी कंपनियां भी अपने मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं। दोनों कंपनियों ने इनपुट लागत और कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी को कीमतें बढ़ाने का मुख्य कारण बताया है। हयूदै ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जो मॉडल और वेरिएंट के आधार पर अलग-अलग होगी। हयूदै मोटर इंडिया लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ डालने से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने के कारण प्राइस हाइक अनिवार्य हो गया है। रेनॉल्ट ने 2 प्रतिशत तक की कीमतों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है, जो अप्रैल 2025 से लागू होगी। यह रेनॉल्ट की फरवरी 2023 के बाद पहली

प्राइस हाइक है। रेनॉल्ट इंडिया के कंट्री सीईओ वेंकटराम ममिल्लापल्ले ने कहा कि कंपनी ने लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने की कोशिश की, लेकिन लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए अब कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। अगर आप हयूदै या रेनॉल्ट की कोई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो अप्रैल से पहले बुकिंग कर लें, ताकि बढ़ी हुई कीमतों से बचा जा सके। कार खरीदने के इच्छूक ग्राहकों के लिए रुपये बचाने का यही सर्वोत्तम समय है।

सेबी ने कीमतों पर रोक लगाने डेरिवेटिव कारोबार पर लगाई रोक

गेहूं समेत 7 फसल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली।

सुरक्षा और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने गेहूं और मूंग समेत सात वस्तुओं पर डेरिवेटिव कारोबार पर निलंबन लगाने के निर्देशों में सुधार करते हुए मार्च, 2026 तक इस प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। सेबी ने गेहूं और मूंग के अलावा अन्य कृषि उत्पादों पर निलंबित कारोबार करने की दिशा में स्पष्टता दी है। इस पहल में, सेबी ने कृषि उत्पादों की कीमतों पर अत्यधिक सट्टा और अस्थिरता को कम करने के लिए उत्तरदायित्वपूर्ण कदम उठाया है। डेरिवेटिव कारोबार में निवेशकों को बड़े जोखिम से बचाने के लिए इस प्रतिबंध में वृद्धि की गई है। यह निर्देश मौजूदा सौदों को पूरा करने की अनुमति देता है, लेकिन नए उतार-चढ़ाव में निवेश करने की मनाही करता है। सेबी ने अब निलंबन को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जिंस बाजारों में स्थायिता और सट्टेबाजी को रोकना है। गेहूं, मूंग, धान, चना, कच्चा पाम तेल, सरसों और सोयाबीन इस निलंबन के परिधि में शामिल हैं। सेबी के इस कदम से किसानों के उत्पादों की कीमतों और खाद्य अभिशासकों को भविष्य में स्थिरता मिलने की उम्मीद है। यह निर्देश स्वीकार करने के बाद बाजार सुरक्षितरता बढ़ाने के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जो खासकर अत्यधिक सट्टेबाजी से निपटने में मदद करेगा। सेबी के इस प्रकार के निर्णय सुरक्षित वित्तीय माहौल को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गुणकारी साबित हो सकते हैं।

अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान महीनों नहीं, कुछ दिन में होगा

एनएसई ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया है। इससे शेयर ट्रांसफर प्रक्रिया आसान और तेज होगी। सोमवार से शुरू हुए नए सिस्टम के तहत अब मैनुअल प्रोसेस की जगह केंद्रीय डिपॉजिटरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) इन ट्रांजैक्शनों को पूरा करेगा। एनएसई ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, रेगुलेटरी बदलाव के बावजूद एनएसई के शेयर अब भी अनलिस्टेड ही रहने वाले है। यानी किसी भी स्टॉक एक्सचेंज पर पब्लिक रूप से ट्रेड नहीं होने वाले है। लेकिन इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि ऑफ-मार्केट ट्रांसफर अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के तहत आने वाले 2018 के सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) (स्टॉक एक्सचेंजेज़ एंड क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) रेगुलेशंस (एसईसीसी) के अनुरूप हों।दरअसल अनलिस्टेड शेयर्स वे शेयर होते हैं, जो किसी भी पब्लिक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं होते।

ये आमतौर पर निजी कंपनियों के शेयर होते हैं। इसमें स्टार्टअप्स, शुरुआती चरण की कंपनियां या फिर एनएसई जैसी बड़ी लेकिन अनलिस्टेड कंपनियां शामिल होती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू करने का मुख्य उद्देश्य ट्रेड सेटलमेंट की अवधि को महीनों से घटाकर कुछ दिनों में करना है। पहले इन ट्रांजैक्शनों को एनएसई और सेबी दोनों की मंजूरी की आवश्यकता होती थी। इससे सेटलमेंट में चार से पांच महीने तक का समय लगाता था। कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार पहले जिस काम में तीन से चार महीने लगते थे, वह अब एक सप्ताह से भी कम समय में पूरा होगा है। इस संशोधित प्रक्रिया से ग्रे मार्केट में ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस मार्केट में एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों की मांग पहले से ही काफी बढ़ी हुई है। खासकर जब बीएसई लिमिटेड के शेयरों में बीते पांच वर्षों में करीब 5,000 फीसदी की बढ़त देखी गई है।अब शेयरधारक सीडीएलएस के ज़रिए डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप (डीआईएस) का उपयोग करके एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों का ट्रांसफर कर सकते हैं। 24 मार्च से एनएसई के इंटरनेशनल सिक्योरिटीज आइडेंटिफिकेशन नंबर (आईएसआईएन) के सक्रिय होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर संभव हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा केकेआर और रॉयल्स में मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियान प्रीमियर लीग में बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगे क्योंकि पहले मैच में इन्हें हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर को जहां शुरुआत मैच में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) वहीं राजस्थान रॉयल्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। पहले मैच में दोनो ही टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायीं थीं। दोनो के ही बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। सुनील नरेन के अलावा केकेआर का कोई भी गेंदबाज आरसीबी के बल्लेबाजों को रोक नहीं पाया। यहां तक कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी विफल रहे थे।

ऐसे में अब वरुण का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। केकेआर की नजरें एनरिक नोर्किया की फिटनेस पर भी आधारित रहेंगी। नोर्किया अगर फिट होते हैं तो उन्हें स्पेंसर जॉनसन की जगह शामिल किया जा सकता है। पहले मैच में कप्तान अजिंक्य रहाणे और नारायण के आउट होने के बाद केकेआर की बल्लेबाजी ढ़ह गयी थी। ऐसे में इस बार का मध्यक्रम बिखर गया था। वेंकटेश अय्यर और आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसके अलावा रिंकू सिंह से भी टीम को रनों की उम्मीद रहेगी। पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है। आईपीएल के पहले मैच में भी वह केवल 12 रन बना पाए थे। वहीं दूसरी ओर रॉयल्स की हालत भी ठीक नहीं है। उसको अगर ये मैच जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स के खिलाफ पिछले मैच में उसके मुख्य तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन दिये थे जबकि फजल हक फारूकी और महेश थीक्षाना जैसे गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की कप्तान कर रहे युवा रियान पराग को भी आत्मविश्वास से फैसल देने होंगे। टीम की बल्लेबाजी रियान के अलावा संजू सैमसन, वैभव सूर्यावंशी और शिमोन हिटमायर जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज़, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिटी सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारखंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती, चेतन सकारिया।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

आईपीएल ऑरेंज कैप की दौड़ में ईशान सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले (ऑरेंज कैप) की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष पर हैं। ईशान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया था। इसमें शीर्ष-10 खिलाड़ियों में 5 भारतीय और 5 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 75 रन की पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 72 रनों की पारी खेली थी। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल हैं, जिन्होंने अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की पारी खेली थी। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी। छठे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष शर्मा हैं, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। सातवें नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। आठवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 65 रनों की पारी खेली थी। 9वें नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ पहले मैच में 59 रनों की पारी खेली थी। 10वें नंबर पर आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ 56 रनों की पारी खेली थी।

स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने आईसीसी रैंकिंग में कायम रखा अपना स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने मंगलवार को यहां जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में क्रमशः अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। मंधाना के अलावा कोई अन्य भारतीय शीर्ष-10 में मौजूद नहीं है। सूची में कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें स्थान पर, जेमिमा रोड्रिग्स 15वें स्थान पर और शेफाली वर्मा उनसे एक पायदान नीचे हैं।

बल्लेबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर हैं, उनके बाद टीम की साथी तहलिया मैकग्रा मौजूद हैं। मूनी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 75 और 70 रन बनाकर शीर्ष पर अपनी बढ़त में इजाफा किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में 32 रन की पारी खेलने वाली फोबे लिचफील्ड तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गईं। स्टार ऑलराउंडर मेली केर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 40 रन की पारी के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान की बढ़त हासिल की जबकि न्यूजीलैंड की जॉर्जिया प्लिमर पिछले महीने शीर्ष क्रम में कुछ लगातार पारियों की बदौलत 20 स्थान का सुधार करते हुए 50वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दीप्ति ने इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और पाकिस्तान की सादिया इकबाल के बाद गेंदबाजों में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। सदरलैंड टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के लिए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंच गई। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद दो स्थान की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गई। डार्सी ब्राउन 12 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंची। केर टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज के बाद दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि मैकग्रा (तीन पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और सदरलैंड (एक पायदान ऊपर 21वें स्थान पर) ऊपर की ओर बढ़ने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स का तेज गेंदबाज चोट से उभरा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हो सकती है वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन मंगलवार को उन्हें कुछ सकारात्मक खबरें मिलीं। प्रमुख तेज गेंदबाज आवेश खान को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ ने आईपीएल 2025 के लिए LSG टीम से फिर से जुड़ने की मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार उन्हें अपने दाहिने घुटने में तकलीफ हो रही थी, जो घरेलू सत्र के दौरान उनके कार्यभार से संबंधित थी। मध्य प्रदेश के इस तेज गेंदबाज को शुरू में आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों से बाहर रखा गया था। आवेश अपने दाहिने घुटने की चोट के कारण इस साल जनवरी से अनुपलब्ध हैं। वह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, जहां माना जाता है कि उन्होंने सोमवार को अपना आखिरी फिटनेस मूल्यांकन पूरा किया। आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि नहीं हुई है कि आवेश एलएसजी टीम से कब जुड़ेंगे।

एलएसजी कैंप अपने तेज गेंदबाजों की चोटों से त्रस्त है और शार्दुल के शामिल होने से उन्हें बहुत जरूरी राहत मिलेगी, जो मोहसिन खान की जगह आए हैं। मोहसिन के अलावा मयंक यादव और आकाश दीप की तेज गेंदबाजी जोड़ी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं है और वर्तमान में बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ठीक हो रही है।

अभी तक तेज गेंदबाजों की वापसी की तारीख पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बहुप्रतीक्षित आईपीएल 2025 मुकाबला 27 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

आईपीएल 2025 के लिए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, अवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान, रवि बिस्नोई, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

अश्विन युवा स्पिनरों को देते हैं टिप्स : रचिन

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने टीम के अनुभवी स्पिन आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम की अच्छी शुरुआत का श्रेय इस अनुभवी खिलाड़ी को दिया है। अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में हालांकि एक ही विकेट लिया था। रविंद्र ने कहा, ' अश्विन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट ज्ञान का लाभ टीम को मिलता है। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं और युवा स्पिनरों को टिप्स देते हैं । मैं उनको खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं और उनके साथ एक टीम में खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छे स्पिन गेंदबाज हैं और हमारी टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। अगर किसी दिन कोई गेंदबाज नहीं चल पाता है तो हमारे पास उसके लिए भी विकल्प हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अच्छी प्रगति कर रहे हैं और वह जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम उनकी वापसी की समय सीमा को नहीं जानते हैं। हम यह जानते थे कि बुमराह पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसलिए हमने उसी के अनुरूप रणनीति तैयार की और अन्य विकल्पों पर विचार किया था।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

चेन्नई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं।

वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं। एक पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस सत्र के पहले उन्होंने शायद नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपने किसी गेंदबाज के खिलाफ पहले कीपिंग का अभ्यास नहीं किया हो तो इस प्रकार की स्टंपिंग कठिन होती है। मुझे लगता है कि उन्होंने सत्र के पहले नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। वह नए गेंदबाजों के खिलाफ अक्सर ऐसा करते हैं।

टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं : सिराज

कोलकाता । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अभी गुजरात टाइटन्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं। वह चैम्पियंस ट्रॉफी से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। इसी को लेकर सिराज ने कहा कि टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं है। इस गेंदबाज ने कहा कि उनका ध्यान अच्छा प्रदर्शन करने और अपनी टीम के लिए विकेट लेने पर है। उन्होंने यह भी याद किया कि जब उन्होंने पहली बार आईपीएल के बाद टी20 विश्व कप 2022 में चयन के बारे में सोचना शुरू किया, तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और तब से उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सिराज ने कहा, चयन मेरे हाथ में नहीं है। मेरे हाथ में विकेट लेना और अपनी टीम के लिए प्रदर्शन करना है। मैं अपना 100 फीसदी दूंगा। अगर मैं चयन के बारे में सोचना शुरू कर देता हूं, तो यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में, आईपीएल के ठीक बाद, मैं केवल चयन के बारे में सोच रहा था और मुझे अच्छी गेंदबाजी करने की जरूरत थी पर प्रदर्शन नहीं आया। बाद में, मुझे एहसास हुआ कि मेरे नियंत्रण में केवल मेरी गेंदबाजी और 100 फीसदी देना है। सबसे महत्वपूर्ण बात प्रदर्शन है और क्या मैं अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ वर्षों में यह सीखा है, और यह बहुत मददगार रहा है। अपने शरीर के बारे में सिराज ने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मानसिकता पर भी काम किया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, सब कुछ लय पर निर्भर करता है, मेरी लय जितनी बेहतर होगी, मैं उतनी ही बेहतर गेंदबाजी करूंगा।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए लेथम को बनाया कप्तान

–केली और अब्बास पहली बार शामिल

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टॉम लेथम को कप्तान बनाया है। टीम में कई नए खिलाड़ियों को भी पहली बार जगह मिली है। वेलिंगटन फायरबर्ड्स के लिए खेलने वाले दो अनकैप्ड खिलाड़ियों बल्लेबाज निक केली और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुहम्मद अब्बास को पहली बार शामिल किया गया है। वहीं राचिन रवींद्र, डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स और मिशेल सेंटनर टीम से बाहर है ,ये सभी अभी आईपीएल खेल रहे है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में शतक बनाने वाले विल यंग, केली के साथ शीर्ष क्रम में शामिल होंगे। जबकि डेरिल मिशेल, माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ मध्य क्रम में खेलेंगे।

गेंदबाजी की कमान विल ओ'रुर्क, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और बेन सियर्स जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी। तेज गेंदबजा जैमीसन को आराम दिया गया है। स्पिन में ऑलराउंडर ब्रेसवेल के साथ 22 वर्षीय ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक शामिल रहेंगे। दूसरा एकदिवसीय मैकलीन पार्क, नेपियर में मैच दो अप्रैल, तीसरा एकदिवसीय मैच पांच अप्रैल को बे ओवल, माउंट माउंगानुई में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम : टॉम लैथम (कप्तान), मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, निक केली, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

श्रीलंका की अदालत ने मैच फिक्सिंग मामले में भारतीय को सुनाई 4 साल की सजा

कोलंबो । श्रीलंका की एक अदालत ने एक भारतीय नागरिक को क्रिकेट मैच फिक्सिंग के 2024 के एक मामले में मंगलवार को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। योगी पटेल पर कैंडी में खेले गए लीजेंड्स लीग टी 20 टूर्नामेंट में मैच फिक्स करने की पेशकश के आरोप लगे थे। उस पर श्रीलंका की चयन समिति के अध्यक्ष उपुल थरंगा की शिकायत के आधार पर आरोप लगाए गए थे। पटेल पर अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध के बावजूद देश से भाग जाने के कारण उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया था। उसे पिछले साल मार्च में गिरफ्तार किया गया था और बाद में कड़ी शर्तों के तहत मई में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। श्रीलंका ने 2019 में खेल संबंधी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को अपनाया, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा और 5,50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है।

मेनन आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे, जयरामन मदनगोपाल का हुआ प्रमोशन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के अलाउद्दीन पालेकर और इंग्लैंड के एलेक्स व्हार्फ को आईसीसी अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल किया जिसमें नितिन मेनन एकमात्र भारतीय हैं। भारत के जयरामन मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। मेनन अंपायरों के एलीट पैनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पालेकर और व्हार्फ एलीट पैनल में माइकल गॉफ और जोएल विल्सन की जगह लेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार 50 वर्षीय मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। यह उन्हें विदेशी टेस्ट और वनडे मैचों में अंपायरिंग करने के योग्य बनाता है। तमिलनाडु के पूर्व खिलाड़ी मदनगोपाल ने अब तक एक टेस्ट, 22 वनडे और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में अंपायरिंग की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर पालेकर ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार टेस्ट, 23 वनडे और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ 17 महिला अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। उन्होंने पुरुषों के टी20 विश्व कप 2024 और अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 जैसे प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों में भी अंपायरिंग की है। व्हार्फ के पास प्रथम श्रेणी स्तर पर 16 साल क्रिकेट खेलने का अनुभव है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 एकदिवसीय मैचों भी खेले हैं। व्हार्फ ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सात टेस्ट, 33 एकदिवसीय और 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। वह हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष और महिला विश्व कप, 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला टी20 विश्व कप और 2025 में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में अंपायरिंग कर चुके हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने दोनों नए सदस्यों पालेकर और व्हार्फ को शुभकामनाएं देने के साथ ही निवर्तमान अंपायरों गॉफ और विल्सन को भी धन्यवाद दिया। शाह ने एक बयान में कहा, 'एलीट पैनल में शामिल होने के कारण काफी दबाव होता है, सब की नजरें आप पर होती है लेकिन हमें विश्वास है कि अलाउद्दीन और एलेक्स दोनों के पास शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अनुभव और कौशल है। मैं आईसीसी की ओर से उन्हें आगामी सत्र के साथ-साथ भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। हम जोएल और माइकल दोनों को कई वर्षों से विश्व स्तर पर उनकी सेवाओं के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं।'

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पहले ही मैच में फ्लाप रहे

–शून्य पर आउट होने के बाद कप्तानी में भी की कई गलतियां

विशाखापट्टनम । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में देखा गया है कि महंगे खिलाड़ी असफल रहे हैं। ये एक बार फिर साबित हुआ है। लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को आईपीएल नीलामी में सबसे बड़ी रकम देखकर खरीदा था पर वह अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक भी रन नहीं बना पाये। सुपरजायंट्स ने ऋषभ को कप्तान बनाया था पर वह एक रन भी नहीं बना पाये। वह एक के बाद एक वह पूरे मैच में गलती करते रहे। उनकी कप्तानी भी खराब रही जिससे हाथ में आया मैच टीम हार गयी। उनसे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। प्रशंसक उनकी आक्रामक बल्लेबाजी देखने मैदान पर पहुंचे थे। मगर 27 करोड़ का खिलाड़ी सात गेंद भी नहीं खेल सका और छह गेंद में खाता खोल बिना ही आउट हो गया। वहीं मैच में ऋषभ ने ट्रिस्टन स्टब्स को रन आउट करने का अवसर भी खोया। स्टब्स तब 12 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद इस बल्लेबाज ने 22 गेंद में 34 रन बनाये। दिल्ली को जीत के लिए अंतिम छह गेंदों में छह रन चाहिए थे और उसके पास केवल एक ही विकेट शेष था। 19.1 ओवर में शाहबाज अहमद की गेंद पर बल्लेबाज मोहित शर्मा को भी वह स्टंप आउट करने में असफल रहे। उन्होंने अंतिम ओवर स्पिनरों को देकर भी गलती की। इससे विरोधी टीम दिल्ली को आसानी से रन बनाने का अवसर मिल गया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 'ए' टीम में शामिल हो सकते हैं भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए मई-जून की विंडो में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले चार दिवसीय दो मुकाबलों में खेलने के लिए 'ए' टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इंग्लैंड की 45 दिवसीय यात्रा की शुरुआत भारत 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के साथ करेगा। भारत 2007 के बाद से 'ओल्ड ब्लाइटी' में पहली श्रृंखला जीतने का प्रयास करेगा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में आयोजित किया जाएगा। दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में शुरू होगा।'

भारत के सभी मुख्य क्रिकेटर इस समय अपनी-अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंधित हैं क्योंकि लीग के नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। भारतीय चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे से पहले भारत 'ए' टीम की घोषणा करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है और मौजूदा स्थिति के अनुसार करुण नायर इस दौरे में शामिल हो सकते हैं।

करुण ने 2024-25 के घरेलू सत्र में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और रणजी ट्रॉफी में नौ मैचों में 54 के औसत से चार शतक और दो अर्धशतक से 863 रन बनाकर चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनकी शानदार फॉर्म की बदौलत विदर्भ ने फाइनल में केरल को हराकर अपना तीसरा रणजी खिताब जीता। एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, 'टीम की घोषणा करने के लिए काफी समय है, नॉकआउट से पहले या इन मैचों के ठीक बाद। तब आपको स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी कि तब तक कौन से खिलाड़ी उपलब्ध हैं।'

रोहित शर्मा के इंग्लैंड में भारत की सीनियर टीम की अगुआई करने की उम्मीद है, भले ही न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट श्रृंखला में मिली हार के दौरान उनका प्रदर्शन मामूली रहा हो। भारत स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर भी नजर रखेगा जो अब भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। बुमराह आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों के लिए मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता – फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अतः सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

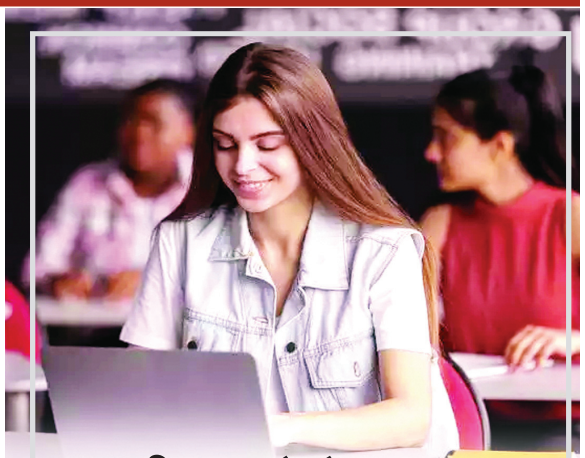

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

पंजाब के 191 पुलिस थानों में मुंशियों के तबादले, मान सरकार का एक्शन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में भगवत मान सरकार इनदिनों प्रशासनिक फेरबदल में लगी हुई है। इसी बीच पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के 191 पुलिस थानों में मुंशियों के तबादले कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक तबादले हुए सभी मुंशी 2 साल से अधिक समय से एक स्थान पर तैनात थे। पंजाब के थानों के मुंशियों की तबादले की जानकारी खुद वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान ने फैसला लिया हैं कि कोई मुंशी 2 साल से अधिक समय तक एक ही थाने में तैनात नहीं रहेगा। इसके तहत कार्रवाई करते हुए थानों के मुंशियों की तबादले किए गए हैं। वित्त मंत्री चीमा ने बताया कि काफी समय से शिकायतें मिल रही थी कि पंजाब के पुलिस थानों में मुंशी को छोड़कर एसएचओ, एसएसपी व डीएसपी के तबादले किए जाते हैं। इसके बाद मुंशी कई सालों से एक ही थाने में तैनात रहते हैं, जिनके 8-10 साल का समय हो गया था। इसके बाद भ्रष्टाचार का भी आंदेश रहता है। इसकारण पंजाब सरकार ने बड़ा फेरबदल कर राज्य के 191 थानों के मुंशी बदल दिए हैं।

दिल्ली में बुखार से मचा हाहाकार, 14 दिन लगते हैं ठीक होने में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों एक अजीब तरह का बुखार तेजी से फैल रहा है, जिसे डॉक्टर वायरल फीवर मान रहे हैं। लेकिन इस बार यह बुखार तीन-चार दिन में ठीक होने के बजाय 14 से 15 दिनों तक बना रहता है और मरीजों को पूरी तरह रिकवर होने में करीब 20 दिन का समय लग रहा है। इसके लक्षण भी सामान्य वायरल से ज्यादा गंभीर हैं— सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, कमजोरी, शरीर में कंपन, कमर दर्द, जुकाम और खांसी। इस लंबे चलने वाले बुखार से लोग बेहद परेशान हैं।जानकारों के मुताबिक इस बार वायरल फीवर का एक नया रूप देखने को मिल रहा है। यह वायरल फीवर ही है लेकिन इसके लक्षण इस बार बेहद गंभीर हैं। जैसे यह बुखार लंबा चल रहा है। लोगों को कमजोर कर दे रहा है। उनकी ओपीडी में कई ऐसे मरीज आ रहे हैं जो 14 दिन तक भी इस बुखार से पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाए हैं।

मायावती का दलित और पिछड़ा वर्ग गठजोड़, बीजेपी, सपा और कांग्रेस को पहुंचाएगा नुकसान

लखनऊ (एजेंसी)। कभी उत्तर प्रदेश की राजनीति की मजबूत धुरी रही बहुजन समाज पार्टी इनदिनों हाशिये पर है। इस कारण बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के छिटक चुके जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। इसी क्रम में मायावती दलितों के साथ पिछड़ों को जोड़कर नए समीकरण तैयार करने में लगी है। दरअसल, 2027 में दलित-ब्राह्मण गठजोड़ कर बहुमत से सरकार बनाने वाली मायावती अब दलित और पिछड़ा वर्ग को पार्टी से जोड़कर नई सोशल इंजीनियरिंग की पटकथा लिखाने की तैयारी में है। अगर उनका यह फार्मूला काम करता है तब इससे बीजेपी और समाजवादी पार्टी के वोट बैंक में सेंध लग सकती हैं, इतना ही नहीं कांग्रेस की परेशानी भी बढ़ जाएगी। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को पीडीए फॉर्मूले का फायदा हुआ था, जबकि बीजेपी को बड़ा झटका लगा था। वहीं बसपा का सूपड़ा साफ हो गया था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पीडीए फॉर्मूले के सहारे ही 2027 की वैतरणी पार करना चाहती है। लेकिन अब मायावती दलित-ओबीसी गठजोड़ की नई पटकथा तैयार कर रही हैं जिसका सीधा असर बीजेपी, सपा और कांग्रेस पर हो सकता है। हालांकि, अभी 2027 के चुनाव में दो साल का समय है, लेकिन यूपी पंचायत चुनाव में मायावती के इस दांव की अग्नि परीक्षा होगी।

उड़ान भरने से पहले विमान से टकराया पक्षी, ब्रेक लगाते ही यात्री घबराए

-तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट ने रद्द की उड़ान, विमान को वापस बे में भेजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरु जा रहा इंडिगो विमान 6ई 6629 रनवे पर एक पक्षी उसके बाएं इंजन से टकराया। विमान में सवार एक यात्री ने कहा कि पायलट और सह-पायलट ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे सभी यात्रियों का झटका लगा। सोमवार सुबह तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पक्षी से टकराने के बाद बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो उड़ान रद्द कर दी गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6E 6629 179 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाली थी। घटना के बाद विमान को तुरंत निरीक्षण के लिए वापस बे में ले जाया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एयरलाइन ने उड़ान रद्द करने और प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का फैसला लिया। बता दें ऐसी ही घटना पिछले साल दिसंबर में दिल्ली से शिलांग जा रही फ्लाइट से पक्षी के टकराने के बाद पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी।

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया स्टे, 12 साल पुरानी बसों को बैन करने का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर हाईकोर्ट ने पिछले दिनों मध्य प्रदेश में चलने वाली 12 साल से ज्यादा पुरनी बसों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। वहीं अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ इंदौर के एक प्रतिष्ठित समाजसेवी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बता दें कि पिछले दिनों इंदौर हाईकोर्ट द्वारा पहले स्कूल बसों और फिर सभी तरह की बसों को लेकर ये बैन लगाया गया था। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि मध्य प्रदेश में जो बसों 12 साल से ज्यादा पुरानी हो गई है उनका संचालन पूरी तरह से रोक दिया जाए। ऐसा फैसला यात्रियों की सुरक्षा के लिए दिया गया था।

ट्रंप के टैरिफ दबाव के चलते चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगा भारत

-चीनी तकनीशियनों और श्रमिकों को काम करने वीजा में राहत देने पर भी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ कम करने के दबाव को देखते हुए नीति-निर्माता भारत-चीन के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए इसी समय को सही मान रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनका मानना है कि चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को सामान्य करने से अमेरिका को यह स?पष?ट संदेश मिल जाएगा और ट्रंप के दबाव से निपटने में यह काम आएगा।

सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार के कई विभागों के बीच चर्चा चल रही है कि चीन के साथ व्यापार और निवेश पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों में ढील दी जाए। ये प्रतिबंध 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद लागू किए गए थे। औद्योगिक क्षेत्र से मिल रही मांगों के कुछ प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। इनमें चीनी नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील, चीनी उत्पादों पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना और कुछ प्रतिबंधित चीनी ऐप्स को दोबारा अनुमति देना शामिल है।

इसके अलावा चीनी स्कॉलर्स के लिए वीजा जारी करने और दोनों देशों के बीच हवाई सेवाओं को फिर शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। निवेश के मामले में भी भारत सरकार अब बीजिंग से पूंजी प्रवाह की अनुमति देने पर विचार कर रही है, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार घाटे को संतुलित किया जा सके। वर्तमान में भारत की नीति के मुताबिक उन देशों से निवेश को सरकार की मंजूरी लेनी होती है जो भारत के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं।

रिपोर्ट में सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत में व्यापार प्रतिबंधों में कुछ ढील देने के पक्ष में एक प्रस्तुति भी दी थी। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि चीन से आने वाले उत्पादों पर अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को लेकर भी विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि व्यापार संबंधों को बहाल करना जरुरी हो गया है, खासकर ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के बाद के दौर में। व्यापार और गैर-व्यापार बाधाओं को हटाने की मांग पहले से ही छोटे और मध्यम उद्योगों द्वारा की जा रही थी। इसके अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल चीनी तकनीशियनों और श्रमिकों को भारत में काम करने के लिए वीजा नियमों में कुछ राहत देने पर भी चर्चा हो रही है।

सूत्रों का कहना है कि चीन भी भारत के साथ व्यापार बहाल करने के लिए इच्छुक है। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक धीरे-धीरे चीन के साथ व्यापारिक प्रतिबंधों में छूट दी जा सकती है, जिससे चीनी कंपनियों को भारत में निवेश की अनुमति दी जा सके। हालांकि, सरकार यह तय करेगी कि चीनी कंपनियों की भागीदारी भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी में हो और उनमें चीन की हिस्सेदारी अल्पसंख्यक हो।

कुणाल कामरा पर सीएम योगी का तंज, कुछ लोग ने देश का चीर हरण करने की कसम खाई

लखनऊ। स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कुछ लोग ने देश का चीर हरण करना, विभाजन की खाई को और चौड़ी करने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है।

बता दें कि कुणाल कामरा ने उप मुख्यमंत्री शिंदे पर नाम लिए बगैर विवादित टिप्पणी की थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद कामरा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मुंबई की खार पुलिस ने मामले में कुणाल कामरा को समन भेजा है। कामरा के खिलाफ मुंबई में शिवसेना नेताओं ने केस भी दर्ज कराया है। शिवसेना (शिंदे) ने कामरा से माफी मांगने की मांग की थी। साथ ही यह चेतावनी भी दी थी कि कामरा यदि माफी नहीं मांगते हैं, तब शिवसेना कामरा को अपने ढंग से जवाब देगी। इस बीच सीएम योगी से जब बताया गया कि महाराष्ट्र में कॉमेडियन ने संविधान को दिखाकर कहा है कि इससे (संविधान से) मुझे अभिव्यक्ति की आजादी मिलती है। इस पर सीएम योगी ने कहा कि आपकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे पर व्यक्तिगत प्रहार करने के लिए नहीं हो सकती है। दुर्भाग्य है कि कुछ लोगों ने देश का चीर हरण करना, विभाजन की खाई को और चौड़ी करने के लिए इस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है।

कृष्णानगर के बीडीओ को हटाओ, हिंदू और हिंदी भाषी मतदाताओं के नाम काटे जा रहे

-वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने की निर्वाचन आयोग से शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टीएमसी मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने की आड़ में हिंदू और हिंदी भाषी मतदाताओं के नाम कटवा रही है। बीजेपी नेता श्री अधिकारी ने दावा किया कि 27 फरवरी के बाद से कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। बंगाल विधानसभा में विपक्षी नेता अधिकारी ने कहा, हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। मैं निर्वाचन आयोग से कृष्णानगर के बीडीओ को हटने का आग्रह करता हूं। भाजपा नेता ने दावा किया, हिंदू मतदाताओं को ऑफिस बुलाकर यह साबित करने के लिए कहा जा रहा है कि वे बांग्लादेशी नहीं हैं। फॉर्म 7 जमा करने वालों को सबूत देने के लिए मजबूर कर रहे है।

उन्होंने कहा कि भाजपा बागदा और कृष्णनगर में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करेगी, जहां पार्टी को सबसे अधिक शिकायतें मिली हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश मजूमदार ने बीजेपी नेता अधिकारी के आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज किया। आरोपों पर मजूमदार ने कहा, तथ्य यह है कि भाजपा हरियाणा और अन्य राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में शामिल कर रही है। अब जब मतदाता सूची घोटाला उजागर हुआ है, तब वे ध्यान भटकाने के लिए हम पर आरोप लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुओं के बीच एकता का आह्वान किया गया। शुभेंदु अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में 'सनातनी एकजुटता' रैली में हिस्सा लिया था। सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली में हिस्सा लिया, जो औद्योगिक शहर के 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र से होकर गुजरी और शहर के मध्य में समाप्त हुई।

बीजेपी का सोनिया और राहुल पर हमला, नकली गांधी परिवार देश के साथ गद्दारी करता

गांधी परिवार ने कमीशन के कारण राफेल सौदा नहीं होने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोफोर्स मुद्दे पर प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मांग की कि सोनिया और राहुल गांधी को क्वात्रोची परिवार के साथ अपने संबंधों का पूरा खुलासा करने तक अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनिया और राहुल गांधी को देश के नागरिकों के लिए वे कम से कम इतना कर ही सकते हैं।

भाजपा नेता ने दावा किया कि 1984-1988 के बीच इटली में भारत के राजदूत ने बयान दिया है कि (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी मुख्य सूत्रधार थे, और उनके (व्यापारी) ओटावियो क्वात्रोची के साथ बहुत गहरे संबंध थे। तत्कालीन कैग ने कहा कि प्रतिस्पर्धी तोपों के मूल्यांकन में गंभीर खामियां थीं। उन्होंने कहा कि आज की ये प्रेसवार्ता कांग्रेस में भ्रष्टाचार, दलाली और गांधी परिवार केवल कमीशनखोरी करता है, ये बात जगजाहिर है। लेकिन अब ये कहना गलत नहीं होगा कि नकली गांधी परिवार

देश के साथ गद्दारी भी करता है, ये नागरिकों के साथ गद्दारी करता है।

बीजेपी नेता भाटिया ने कहा कि एक लेखक हैं चित्रा सुब्रमण्यम, उनकी एक किताब आई है और किताब में जो तथ्य सामने आए हैं वे बेहद ही चिंताजनक हैं। ये तथ्य बताते हैं कि चाहे स्व. राजीव गांधी हों या सोनिया, ये दलाली भी करते हैं और देश के साथ गद्दारी भी करते हैं। उन्होंने कहा कि बोफोर्स दलाली, राजीव और सोनिया गांधी के दामन पर एक ऐसा दाग है, जो कभी नहीं मिटेगा। लेकिन जो तथ्य अब सामने आए हैं, उससे राष्ट्र सुरक्षा को लेकर कुछ अहम सवाल हम उठाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि बोफोर्स घोटाले में इतालवी कारोबारी क्वात्रोची की मुख्य भूमिका थी। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव और सोनिया गांधी के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और खुलेआम दावा किया कि वे कंपनियों के लिए सरकारी अनुबंध हासिल कर सकते हैं। इतना ही नहीं क्वात्रोची के पास भारतीय पीएम से पहले ही प्रमुख रक्षा सौदों से जुड़ी गोपनीय सरकारी फाइलों तक पहुंच थी। राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान, क्वात्रोची ने विशिष्ट कंपनियों के पक्ष में बदलाव किए और अनुबंध हासिल किए, इसमें राजीव गांधी ने इन बदलावों में मदद की।

भाटिया ने कहा कि भारत की सेना और वायुसेना राफेल मांगती रही, लेकिन 10 साल तक डील नहीं हुई। लेकिन अब ऐसा लगाता हैं कि तब गांधी परिवार अपने कमीशन का इंतजार करता रहा। कोई भी रक्षा सौदा हो, गांधी परिवार का केवल एक ही मकसद है कि उनकी तिजोरी में कितनी काली कमाई आएगी।

तेलंगाना टनल में फंसे 7 लोगों में से एक मजदूर का शव मिला

- हादसे के 32 दिन बाद भी 6 लोगों का नहीं लग पा रहा पता

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में स्थित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें 8 मजदूर फंस गए थे। हादसे के 32 दिन बाद मंगलवार को रेस्क्यू टीम को एक और शव मिला है। इसे बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले 9 मार्च को गुरप्रीत सिंह का शव मिला था। बचाव दल के अधिकारियों का कहना है कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। वह किस वर्कर का है।

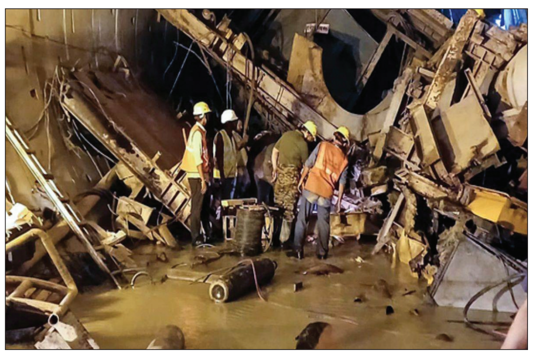

एडवांस मशीनों की मदद से शव को जल्द ही निकाल लिया जाएगा। अभी भी टनल में फंसे 6 वर्कर्स का पता नहीं चल रहा है, बचाव दल उन्हें तलाश रहे हैं। उनके जिंदा होने की संभावनाएं न के बराबर हैं। इससे पहले 15 मार्च को मजदूरों की तलाश के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल रोबोट को तैनात किया था। यह रोबोट एक विशेष तकनीकी से लैस है, जो सर्च ऑपरेशन की रफ्तार बढ़ाने में मदद करता है। अधिकारियों के मुताबिक इस रोबोट के साथ 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और वैक्यूम टैंक मशीन तैनात की गई है, जिससे मिट्टी हटाने का काम किया जाएगा। मैन्युअल खुदाई की बजाय, यह रोबोट ऑटोमैटिक तरीके से मलबा हटाने में सक्षम है। एक घंटे में करीब 620 क्यूबिक मीटर मिट्टी सुरंग से बाहर निकाली जा सकती है। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) इस सर्च ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। ऑपरेशन में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मानव अवशेष खोजी कुत्ते, सिंगरेनी कोलियरीज, हैदराबाद स्थित रोबोटिक्स कंपनी और अन्य यां शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे के बाद टनल में काम कर रहे मजदूर डर के कारण काम छोड़कर चले गए हैं। सीनियर सरकारी अधिकारी ने बताया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट में 800 लोग काम कर रहे हैं। इनमें से 300 लोकल और बाकी झारखंड, ओडिशा और यूपी के हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि शुरुआत में मजदूरों में डर जरूर है। हालांकि कंपनी ने उनके लिए आवासीय कैंप बनाए हैं। कुछ लोग वापस जाना चाहते हैं, लेकिन हमारे पास इस बात की कोई रिपोर्ट नहीं है कि सभी मजदूर एक साथ छोड़कर जा रहे हैं।

मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास, लोगों को आने लगी कूलर और एसी की याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च का महीना अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। तेज धूप और बढ़ते तापमान ने लोगों को कूलर और एसी की याद दिला दी है। दिन में चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। लोगों ने अभी से ही घरों में एसी और पंखे चलाने शुरू कर दिए हैं। इस बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर भी पड़ रहा है। अधिक गर्मी के कारण सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं तेजी से फैल रही हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होगी। 26 मार्च को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 27 मार्च को तेज सतही हवाओं के साथ अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है।

28, 29 और 30 मार्च को भी दिन में गर्मी तेज रहने की संभावना है। 30 और 31 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं, लेकिन गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखकर प्रशासन ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में तापमान डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि लोग तापमान की जानकारी प्राप्त कर सकें और गर्मी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरत सकें। विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए लोगों को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतनी चाहिए। जिनमें धूप में निकलने से पहले छाता, टोपी या गमछे का इस्तेमाल करें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, ताकि गर्मी कम महसूस हो। भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें। कैफीन और शराब के सेवन से बचें, क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी कर सकते हैं। बाहर जाने से पहले अपने शरीर को हाइड्रेट रखें और धूप से बचने के उपाय करें।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अजीब हरकतों ने किए सवाल खड़े, बीजेपी चुप

- विपक्ष कर चुका है इस्तीफे की मांग, बेटे को सीएम बनाने का भी दिया सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अजीब हरकतों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। 20 मार्च को पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान बजने के दौरान ही वह हंसी-ठिठोली करते नजर आए थे। वहीं प्रधान सचिव दीपक कुमार ने सीएम को हाथ देकर सावधान मुद्रा में रहने का इशारा किया तो नीतीश पत्रकारों को प्रणाम करने लगे। पूर्व सीएम रबड़ी देवी ने कहा था कि अगर नीतीश कुमार का दिमाग खराब है, तो उन्हें गद्दी छोड़कर अपने बेटे को सीएम बना देना चाहिए।

बता दें नीतीश कुमार ने पाटलिपुत्र खेल परिसर में राष्ट्रगान को शुरू होने से पहले रुकवा दिया। नीतीश ने मंच से इशारों में कहा कि पहले स्टेडियम का चक्कर लगाकर आते हैं, फिर शुरू कीजिएगा। सीएम का संकेत मिलते ही मंत्री विजय चौधरी ने राष्ट्रगान बंद करवा दिया। फिर से राष्ट्रगान शुरू हुआ, लेकिन नीतीश अजीब हरकतें करते नजर आए। वहीं 15 मार्च 2025 को पटना में होली मिलन समारोह में नीतीश कुमार बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुके। हालांकि रविशंकर ने उन्हें रोक दिया। पास खड़े जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी सीएम नीतीश का हाथ पकड़ लिया। इसके बाद नीतीश ने रविशंकर को गले लगा लिया। नीतीश, रविशंकर से 4 साल बड़े हैं।

नीतीश कुमार ने 2 बार पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश भी कर चुके हैं। पहली बार 7 जून 2024 को, जब दिल्ली में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एनडीए की बैठक हुई थी। दूसरी बार 13 नवंबर 2024 को जब पीएम मोदी दरभंगा एम्स के शिलान्यास कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान अपना भाषण खत्म कर सीएम नीतीश अपनी कुर्सी की ओर जा रहे थे। बीच में रुके और पीएम मोदी के पैर छू लिए।

30 जनवरी 2025 को पटना में भी राष्ट्रपति महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यहां सीएम नीतीश महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद ताली बजाने लगे थे। विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव ने उन्हें रोका था। 30 नवंबर 2024 को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन नीतीश कुमार सदन में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के ब्रेसलेट से खेलने लगे। सीएम का ये अंदाज देखकर मंत्री अशोक चौधरी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए थे।

15 अक्टूबर 2024 को गांधी मैदान में दशहरा पर रावण वध समारोह का आयोजन हुआ। इसमें नीतीश ने रावण पर चलाने के लिए दिए गए तीर-धनुष को फेंक दिया। 21 सितंबर 2024 को नीतीश कुमार मंत्री अशोक चौधरी के कंधे पर सिर रखकर उनसे लिपट गए थे। सीएम नीतीश ने कहा था- हम इनसे बहुत प्रेम करते हैं। नीतीश कुमार के इस तरह के व्यवहार को विपक्ष ने मानसिक बीमारी बताया और इस्तीफे की मांग की।

लालू यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है? वहीं राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा था कि अगर सीएम नीतीश कुमार का दिमाग खराब है, तो उनको गद्दी छोड़नी चाहिए और अपने बेटे को सीएम बना देना चाहिए। बेटा नहीं बनता तो किसी दूसरे अपने को कुर्सी सौंप दें।

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार के लिए कल काला दिवस था। पीएम मोदी के लाडले सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले सीएम पर पीएम मोदी क्या कहेंगे? भारत माता की जय करने वाले बीजेपी के दोनों डिप्टी सीएम गायब हैं। सीएम नीतीश कुमार को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान को अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है। जनसुराज के प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। यह बात पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जानते हैं, लेकिन वोट के लालच में कुछ नहीं कर रहे हैं। नवंबर 2023 में बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने विधानसभा में कहा था कि नीतीश किसी गंभीर मानसिक बीमारी के शिकार हैं। ऐसे शख्स के भरोसे पूरा बिहार छोड़ा हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है :गवर्नर

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा के अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। यहां गवर्नर हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने अफगान प्रशासन को बार-बार सूचित किया है कि अमेरिका द्वारा छोड़े गए हथियार अब उग्रवादियों के हाथों में हैं।कुंडी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दोनों देशों के अधिकारियों ने आतंकवाद, पारगमन व्यापार, शरणार्थियों और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों से निपटने के तरीकों पर मतभेदों के कारण तनावपूर्ण हुए संबंधों को सुधारने के लिए काबुल में वार्ता की। कुंडी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने अफगानिस्तान का दौरा किया था, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में उतरे बलूच प्रदर्शनकारी, समिति ने निकाली विरोध रैली

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान के लासबेला में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने और आंसू गैस के गोले दागने पर बलूच मानवाधिकार समूह बलूच यकजेहती समिति ने विरोध में रैली निकाली। एक्स पर समिति ने कहा कि रैली में बलूच लोगों का उत्पीड़न समेत कई मुद्दे उठाए। सुबह बलूच सॉलिडेरिटी कमेटी ने धरना प्रदर्शन के खिलाफ और गिरफ्तार लोगों की बरामदगी के लिए विरोध रैली निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। साथ ही लापता लोगों के रिश्तेदार भी रैली में शामिल हुए।एक अन्य एक्स पोस्ट में बलूच यकजेहती समिति ने कहा था कि वह महरंग बलूच, बेबिगर बलूच और बेबो बलूच के गायब होने और गिरफ्तारी के खिलाफ 24 मार्च को धरना देगी। जब तक कार्यकर्ताओं को सुरक्षित रूप से बरामद नहीं किया जाता।तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे। क्योंकि चुप रहना उत्पीड़न सहना होता है। महरंग बलूच की गिरफ्तारी की संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत मैरी लॉलर ने निंदा की। उन्होंने कहा कि बलूच यकजेहती समिति के प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किए जाने से चिंतित हूं। इससे पहले पाकिस्तान में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलोच को क्वेटा पुलिस-प्रशासन ने शनिवार को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वह अपने समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन में हिस्सा ले रही थीं। माना जा रहा है कि बलूच यकजेहती समितियों (बीवाईसी) द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रांत में तनावपूर्ण स्थिति है।

अवैध तरीके से पाकिस्तान में दाखिल होने वाले 53 अफगान बच्चों को वापस भेजा गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान से अवैध तरीके से पाकिस्तान में दाखिल होने वाले 53 बच्चों को वापस भेज दिया गया है। रविवार को अथॉरिटीज ने बताया कि ये बच्चों बॉर्डर की तारें काटकर पाकिस्तान में घुसे थे।वो यहां काम की तलाश में आए थे। तोरखम बॉर्डर पर तैनात अधिकारियों ने इन बच्चों को वापस भेजने में मदद की। इन अधिकारियों ने बताया कि अफगानिस्तान के बच्चों की पाकिस्तान आने की कोशिशें रोज बढ़ती जा रही हैं।ऐसी करीब 700 कोशिशें रोजाना होती हैं।

आतंक से लड़ने की तैयारी, भारतीय सेना ने किर्गिस्तान के साथ किया अभ्यास

टोकमोक , एजेंसी। भारत-किर्गिस्तान जॉइंट स्पेशल फोर्सिस ने एक्सरसाइज खंजर-12 का 12वां संस्करण रविवार को टोकमोक में संपन्न हुआ, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है. 10 मार्च को शुरू हुए इस अभ्यास में भारत की पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) और किर्गिस्तान की स्कॉर्पियन ब्रिगेड के बेहतरीन सैनिकों ने एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक साथ हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन, उच्च ऊंचाई पर युद्ध क्षमताओं और आतंकवाद विरोधी रणनीति को बढ़ाना था. इसका अभियास का मकसद आपसी तालमेल बढ़ाना, ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के कौशल को सुधारना और आतंकवाद के खिलाफ रणनीतियों को मजबूत करना था. इस दौरान दोनों सेनाओं ने स्नाइपिंग, इमारतों में घुसकर ऑपरेशन करने, पर्वतीय युद्धकला और आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन का अभ्यास किया. इस मौके पर भारत और किर्गिस्तान के रक्षा अधिकारियों और अन्य मित्र देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे. अभ्यास के बाद एक समीक्षा बैठक हुई है, जिसमें दोनों देशों के सैनिकों ने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की. 'खंजर-12' युद्धाभ्यास भारत और किर्गिस्तान के बीच मजबूत रक्षा संबंध और क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दिखाती है. खंजर-12 का मुख्य आकर्षण किर्गिज़ संस्कृति में एक खास त्योहार नौरोज़ रहा. इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सैनिकों के बीच सौहार्द को बढ़ावा दिया गया।

पोप फ्रांसिस 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल से डिस्चार्ज

अस्पताल की बालकनी से समर्थकों को थैंक्यू कहा, फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से एडमिट थे

वेटिकन, एजेंसी। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को रविवार को 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने हॉस्पिटल की बालकनी से समर्थकों को धन्यवाद कहा। 88 साल के पोप को फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था। इलाज के दौरान दो बार पोप को जान का खतरा था हॉस्पिटल से निकलने के बाद पोप वेटिकन सिटी में स्थित कासा सांता मार्टा के अपने घर वापस लौटेंगे। शनिवार को उनकी मेडिकल टीम के प्रमुख ने कहा कि फ्रांसिस को वेटिकन लौटने के बाद दो महीने और आराम की जरूरत होगी। शनिवार को पोप के डॉक्टरों ने कहा कि इलाज के दौरान दो मौकों पर उनकी जान जाने का खतरा था, लेकिन फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। पोप को फिर बोलना सीखना पड़ेगा वेटिकन के कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज ने शुक्रवार को बताया था कि पोप फ्रांसिस धीरे-धीरे अपनी ताकत हासिल कर रहे हैं, लेकिन लंबे वक्त तक हाई फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी की वजह से उन्हें फिर बोलना सीखना पड़ेगा। हाई फ्लो ऑक्सीजन की वजह से कई बार इंसान का मुंह और गला सूख जाता है, जिससे बोलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा हाई फ्लो ऑक्सीजन से सांस लेने में दिक्कत या सीने में दर्द जैसी समस्या हो सकती है। वेटिकन के मुताबिक इलाज के दौरान भी पोप हॉस्पिटल से काम कर रहे थे। इससे पहले भी पोप फ्रांसिस को 2021 में डायवर्टीकुलिटिस और 2023 में हर्निया की सर्जरी की वजह से हॉस्पिटल जाना पड़ा था। 1000 साल में पोप बनने वाले पहले गैर-यूरोपीय पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है। वे सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) के सदस्य बनने वाले और अमेरिकी महाद्वीप से आने वाले पहले पोप थे। उन्होंने ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की थी। साल 1998 में वे ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप बने थे। साल 2001 में पोप जॉन पॉल सेकेंड ने उन्हें कार्डिनल बनाया था। पोप फ्रांसिस के बड़े फैसले समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने पर: पद संभालने के 4 महीने बाद ही पोप से समलैंगिकता के मुद्दे पर सवाल किया था। इस पर उन्होंने कहा, 'अगर कोई समलैंगिक व्यक्ति ईश्वर की खोज कर रहा है, तो मैं उसे जज करने वाला कौन होता हूं।' पुनर्विवाह को धामिक मंजूरी: पोप ने दोबारा शादी करने वाले तलाकशुदा कैथोलिक लोगों को धार्मिक मान्यता दी। उन्होंने सामाजिक बहिष्कार को खत्म करने के लिए ऐसे लोगों को कम्यूनियन हासिल करने का अधिकार दिया। कम्यूनियन एक प्रथा है जिसमें यीशु के अंतिम भोज को याद करने के लिए ब्रेड/पवित्र रोटी और वाइन/अंगूर के रस का सेवन किया जाता है। इसे प्रभु भोज या यूकरिस्ट के नाम से भी जाना जाता है। बच्चों के यौन शोषण पर माफी मांगी: पोप फ्रांसिस ने अप्रैल 2014 में पहली बार चर्चों में बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण की बात स्वीकार की और सार्वजनिक माफी भी मांगी। चर्च के पादरियों की तरफ से किए गए इस अपराध को उन्होंने नैतिक मूल्यों की गिरावट कहा था। इससे पहले तक किसी पोप की तरफ से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं देने की वजह से वेटिकन की आलोचना की जाती थी। पिछले साल 27 सितंबर को बेल्जियम की यात्रा के दौरान बच्चों के यौन शोषण पर कैथोलिक चर्चों से माफी मांगने के लिए कहा। उन्होंने ब्रुसेल्स में पादरियों से यौन उत्पीड़न के शिकार 15 लोगों से मुलाकात भी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति के 5 पोते-पोतियों की मां को मिला नया जीवनसाथी, जूनियर ट्रंप से हो गया था तलाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स ने डोनाल्ड ट्रंप की बहू रह चुकीं वैनेसा ट्रंप के साथ अपने रिश्ते सार्वजनिक कर दिए हैं. उन्होंने पुष्टि की है कि वह वैनेसा ट्रंप के साथ रिश्ते में हैं. वुड्स ने अपने 6.4 मिलियन फॉलोअर्स को एक्स पर लिखा, 'प्यार में डूबा हुआ हूं और आपके साथ जीवन बेहतर है. हम जीवन भर साथ-साथ चलने के लिए उत्सुक हैं. इस समय हम अपने दिल के करीब रहने वाले सभी लोगों की प्राइवेसी की सराहना करते हैं.' वैनेसा की शादी साल 2005 में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से हुई थी और ये 2018 तक चली. वैनेसा और जूनियर ट्रंप के पांच बच्चे हैं, जिनमें 17 साल काई भी शामिल है. काई को 2026 में मियामी यूनिवर्सिटी में गोल्फ खेलेंगे. काई भी वुड्स के बच्चों सैम और चार्ली के साथ उसी स्कूल में पढ़ते हैं. काई और चार्ली ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक इंविटेशनल टूर्नामेंट में भाग लिया था. सैम और चार्ली दोनों वुड्स और एलिन नॉर्डग्रेन के बेटे हैं. वुड्स का एलिन से 2010 में तलाक हो गया था क्योंकि कपल के कई विवाहेतर संबंधों का खुलासा हुआ था. पिछले कई हफ्तों से वुड्स और वैनेसा ट्रंप की के बीच रिलेशनशिप चर्चा का विषय बनी हुई थी. हालांकि वुड्स अपनी निजी जिंदगी को बेहद प्राइवेट रखते हैं, लेकिन आखिर उन्हें सार्वजनिक करनी पड़ी है. इसी तरह उन्होंने 2013 में भी लिंडसे वॉन के साथ रिलेशनशिप की सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. वुड्स ने उस समय कहा था कि वह और वॉन ÷स्टॉकराजी' और उन सभी घटिया वेबसाइटों के कयासों को खत्म करना चाहते है जो उन्हें लगातार फॉलो कर रही हैं. इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया था।

रूस के हमले से दहला यूक्रेन, युद्धविराम पर बातचीत के बीच पुतिन ने भेजे 147 ड्रोन, 7 की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में रविवार रात को रूस के ड्रोन हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने यह जानकारी दी. यूक्रेन की राजधानी कीव पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब सऊदी अरब में दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत होने की संभावना है. अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच सोमवार को अप्रत्यक्ष वार्ता हो सकती है, जिसमें ऊर्जा सुविधाओं और नागरिकों से संबंधित बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जाने वाले लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हमलों पर रोक लगाने के संबंध में चर्चा की जाएगी. यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत से एक दिन पहले यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में अमेरिका के अधिकारियों से मिल सकता है. उन्होंने कहा कि यूक्रेन आंशिक युद्धविराम के विवरण पर चर्चा करने के लिए तकनीकी टीम भेजने की योजना बना रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब में होने वाली बातचीत में कुछ वास्तविक प्रगति हो सकती है. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने यूक्रेन में 147 ड्रोन दागे. इसने बताया कि 97 ड्रोन को मार गिराया गया और यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई के चलते 25 ड्रोन अपने लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाए।

कनाडा में 28 अप्रैल को होंगे आम चुनाव:पीएम बोले- ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहिए

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश में 28 अप्रैल को आम चुनाव की घोषणा की। उन्होंने रविवार को कहा कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहते हैं। कनाडाई पीएम ने कहा- अमेरिका के साथ टैरिफ वॉर हमारे लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। वो हमें तोड़ना चाहते हैं ताकि अमेरिका हमारा मालिक बन जाए, हम ऐसा नहीं होने देंगे। कार्नी ने कहा कि कनाडा को सुरक्षित करने के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने टैरिफ वॉर से परेशान किसानों और व्यवसायों को मदद देने की योजनाओं के बारे में भी बयान दिया। मार्क कार्नी ने 10 दिन पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने 9 फरवरी को लिबरल पार्टी के नेता का चुनाव जीता था। कार्नी को 85.9प्रतिशत वोट मिले थे।

ट्रम्प के टैरिफ से निपटने के लिए एक्शन लेने की जरूरत कार्नी ने बताया कि उन्होंने क्क्रपद की शपथ लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ नए राष्ट्रीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों को मजबूत करने का काम किया, यूरोपीय यूनियन के साथ नए व्यापार समझौते पर चर्चा शुरू की। कनाडाई पीएम ने कहा कि आज युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन फिर भी उन्हें किराया देने और अपने बच्चों के लिए बचत करने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि अमेरिकियों से

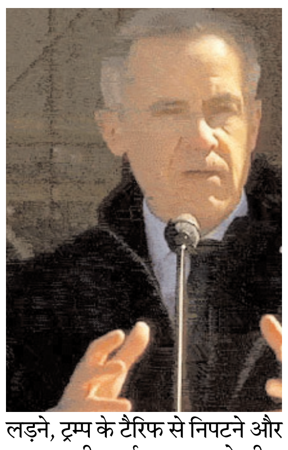

लड़ने, ट्रम्प के टैरिफ से निपटने और कनाडा की अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए हमारे देश को एक्शन लेने की जरूरत है। कार्नी ने कहा कि वो महिलाओं के अबॉर्शन अधिकार का समर्थन करते हैं, जैसा कि उनकी लिबरल पार्टी भी करती है। ट्रम्प विरोधी भावना से लिबरल पार्टी को फायदा इस महीने की शुरुआत में जारी चुनावी सर्वे में लिबरल पार्टी को विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी से ज्यादा लोकप्रियता मिली थी। इप्सोस के सर्वे में लिबरल को 38प्रतिशत और कंजरवेटिव को 36प्रतिशत समर्थन मिला था। इस सर्वे से छह सप्ताह पहले कंजरवेटिव पार्टी को 46प्रतिशत लोगों का समर्थन था, जबकि लिबरल को 12प्रतिशत पसंद कर रहे थे। छह सप्ताह में पार्टी की लोकप्रियता में 26प्रतिशत का जबरदस्त उछाल आया। दरअसल, कनाडा पर ट्रम्प के जुबानी हमलों से लिबरल पार्टी को समर्थन मिला है। इप्सोस ने कहा कि ट्रम्प विरोधी भावना और लिबरल पार्टी के नए नेतृत्व को लेकर कंजरवेटिव को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंकर और इकोनॉमिस्ट हैं मार्क कार्नी मार्क कार्नी इकोनॉमिस्ट और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं। कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर चुना गया था। कनाडा को मंदी से बाहर निकालने के लिए उन्होंने जो कदम उठाए, उसकी वजह से 2013 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उन्हें गवर्नर बनने का प्रस्ताव दिया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के 300 साल के इतिहास में वे पहले ऐसे गैर ब्रिटिश नागरिक थे, जिन्हें यह जिम्मेदारी मिली। वे 2020 तक इससे जुड़े रहे। ब्रेग्जिट के दौरान लिए फैसलों ने उन्हें ब्रिटेन में मशहूर बना दिया। ट्रम्प के विरोधी हैं कार्नी कार्नी लिबरल पार्टी में ट्रम्प के विरोधी हैं।

पाकिस्तान में 18 जिलों के सीवेज-सैंपल में मिला पोलियो वायरस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने देश के 18 जिलों से इक्ट्ठा किए गए सीवेज सेम्पल में वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप-1 का पता लगाने की पुष्टि की है। ये नमूने पाकिस्तान के सभी 4 राज्यों की अलग-अलग सीवेज लाइन से जमा किए गए थे। प्रभावित इलाकों में सिंध के 12 जिले, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में दो-दो जिले, बलूचिस्तान और इस्लामाबाद का एक जिला शामिल है। दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही सिर्फ ऐसे दो देश हैं, जहां अभी भी पोलियो उन्मूलन नहीं हो पाया है। इस साल अब तक पाकिस्तान में पोलियो के 6 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें सिंध से 4, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के एक-एक मामले शामिल हैं। 2024 में देश में 74 मामले दर्ज किए गए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 27 मार्च, 2014 को भारत को पोलियो मुक्त घोषित कर दिया था। हालांकि पिछले साल 10 साल बाद मेघायल में पोलियो का एक केस मिला था। वैक्सीन लगाने वाले कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक

पाकिस्तान में अल-कायदा और पाकिस्तान-तालिबान जैसे संगठन पोलियो उन्मूलन में बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा पोलियो वैक्सीन को लेकर लोगों में जागरूकता का आभाव है। कई बार पोलियो वैक्सीन लगाने वाले हेल्थ वर्कर्स पर हमले पर खबरें भी सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा खराब स्वास्थ्य सुविधाएं और लोग की तरफ से पोलियो वैक्सीनेशन में लापरवाही भी इसकी बड़ी वजह है। पोलियो क्या है? पोलियो एक गंभीर और कई बार जानलेवा बीमारी है, जो पोलियो वायरस के कारण होती है। बीते कुछ सालों में दुनिया के ज्यादातर देश पोलियो मुक्त हो चुके हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पोलियो मुक्त बनाने के लिए वैक्सिनेशन अभियान चल रहे हैं। पोलियो के लक्षण ज्यादातर लोगों में बहुत हल्के दिखते हैं या फिर दिखते ही नहीं हैं। कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर हो सकता है। इन मामलों में पैरालिसिस यानी लकवा हो सकता है या मृत्यु तक हो सकती है। पोलियो के लक्षण पोलियो से संक्रमित 95प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है। मुश्किल ये है कि संक्रमित व्यक्ति बिना लक्षणों के भी पोलियो वायरस फैला सकता है। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं,।

अमेरिका का हूतियों को करारा जवाब; यमन में किए ताबड़तोड़ हवाई हमले, एक की मौत और 15 अन्य लोग घायल

सना, एजेंसी। यमन की राजधानी सना में एक आवासीय इमारत पर अमेरिकी हवाई हमलों में एक युवक की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हो गए। अमेरिका ने बीते दिनों हूतियों के नियंत्रण वाली सना पर लगातार हमले किए हैं। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सना के उपनगर असर में हुए हमले में हुए घायलों में तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। लोगों ने हमले को बहुत हिंसक बताया है। वहीं बचाव दल इमारत के मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लाल सागर में तैनात अमेरिकी सेना ने यमन के उत्तरी प्रांत सादा पर हवाई हमले किए। इसमें प्रांत के केंद्रीय शहर के आसपास के क्षेत्र, जो हूतियों का गढ़ है को निशाना बनाया गया। ये हमले हूतियों द्वारा उत्तरी लाल सागर में यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन विमानवाहक पोत और मध्य इस्राइल में बेन गुरियन हवाई अड्डे पर हमले के बाद हुए। इससे पहले अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की थी। यह बमबारी राजधानी सना और उत्तर पश्चिम में स्थित सादा शहर में की गई। बमबारी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों को धमकी दी और कहा कि वे उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने साथ ही ईरान को भी चेताया और ईरान पर हूती विद्रोहियों की मदद करने का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि हूतियों को

इस बमबारी में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यह धीरे-धीरे बदतर होता जाएगा। यह बराबरी की लड़ाई भी नहीं है और ना कभी होगी। उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने हूतियों को हथियार देने के लिए ईरान को चेतावनी भी दी और दावा किया कि ईरान ने हूतियों को सैन्य आपूर्ति कम कर दी है, लेकिन उसे इस पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए। ईरान पर लंबे समय से हूतियों की मदद करने के आरोप लग रहे हैं। हूति यमन के अल्पसंख्यक शिया जैदी समुदाय के लोग हैं। इस वर्ग ने साल 1962 तक करीब हजार साल तक यमन पर राज किया। हालांकि ईरान इन आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज करता रहा है। इस्राइल और हमास की लड़ाई के बाद हूतियों पर लाल सागर के इलाके में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के आरोप लगे।

बांग्लादेश में 7 महीने में कपड़े की 140 फैक्ट्रियां बंद: 1 लाख बेरोजगार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश का गारमेंट सेक्टर इस समय भयंकर संकट से गुजर रहा है। पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद सात महीनों में 140 से ज्यादा गारमेंट फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। इसके चलते एक लाख से ज्यादा मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सिर्फ गाजीपुर, सावर, नारायणगंज और नर्सिंदी में 50 से ज्यादा फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जबकि करीब 40 फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हैं। दूसरी ओर कई गारमेंट कंपनियों में मजदूरों के 2 महीने से 14 महीने तक के वेतन बकाया हैं, जिससे वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ईद के करीब आते ही स्थिति और भयावह होती जा रही है। ईद के बाद और अधिक फैक्ट्रियां बंद होने की आशंका है। इसके बावजूद, सरकार और गारमेंट मालिकों द्वारा कदम नहीं उठाया जा रहा है। गारमेंट सेक्टर से 20प्रतिशत ऑर्डर शिफ्ट हुए बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार, 20प्रतिशत ऑर्डर देश से शिफ्ट हो चुके हैं। अब यह ऑर्डर भारत, वियतनाम, श्रीलंका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान को मिल रहे हैं। बंद हो रही ज्यादातर फैक्ट्रियां हसीना की पार्टी के नेताओं से जुड़ीं गारमेंट फैक्ट्रियों के अचानक बंद होने के पीछे मुख्य रूप से दो बड़ें वजह बताई जा रहे हैं, आर्थिक मंदी व राजनीतिक अस्थिरता। हालांकि, इस संकट में एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बंद हो रही ज्यादातर फैक्ट्रियां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े नेताओं की है। इनमें हसीना के विदेशी निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान की बेक्सिमको कंपनी भी शामिल है। बीते सात माह में बेक्सिमको की 15 फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो गई हैं। इसके अलावा, आवामी लीग के मंत्री गाजी

दस्तगीर की भी कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। लेबर नेता मोहम्मद मिंटू कहते हैं, बेक्सिमको गारमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी थी। यहां मजदूरों को वेतन व बोनस समय पर मिलता था। इसके बंद होने से समस्या हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कई बड़े गारमेंट व्यापारी देश छोड़कर जा चुके हैं, जिससे फैक्ट्रियां बंद होने की समस्या और गंभीर हो गई है। यूनियन बोला- मंदी का संकट गहराया गारमेंट फैक्ट्रियों के बंद होने पर सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि बाजार में ऑर्डर कम होने के कारण उत्पादन ठप हो गया है। लेकिन गारमेंट वर्कर्स ट्रेड यूनियन सेंटर के कानूनी मामलों के सचिव खैरुल ममून मिंटू का दावा है कि यह सरासर झूठ है। ऑर्डर अब भी मिल रहे हैं, बल्कि जो फैक्ट्रियां बची हैं, उन पर अतिरिक्त दबाव डाला जा रहा है। असल में, यह संकट राजनीतिक कारणों से गहराया है। इस पर काबू नहीं पाया गया तो देश में आर्थिक मंदी हो सकता है। जानकारों का कहना है कि यूनुस सरकार सेक्टर को बेहतर करने को कोई कदम नहीं उठा रही है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला के साथ मिलकर व्यापारी को फंसाया,समझौते के नाम पर 14 लाख की उगाही

प्रवीण भालाला के खिलाफ ठगी के बाद हनीट्रैप की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में प्रवीण भालाला के खिलाफ एक व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाने और 14 लाख रुपये की फिरौती वसूलने की शिकायत दर्ज हुई है। आरोप है कि प्रवीण ने एक महिला के साथ मिलकर व्यापारी को जाल में फंसाया और बाद में समझौते के नाम पर मोटी रकम वसूली। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

ओडिशा के कटक में रहने वाले एक वृद्ध को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर 6.16 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी में फंसाने के मामले में सूरत के समाजसेवी प्रवीण भालाला का नाम सामने आया था। अब हनीट्रैप के जरिए 14 लाख रुपये की जबरन वसूली के मामले में भी उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, 2014-15 में एक व्यापारी की पहचान प्रवीण भालाला से हुई थी। प्रवीण भालाला लेस पट्टी एसोसिएशन के अध्यक्ष थे जिससे व्यापारी के उनके साथ अच्छे संबंध हो गए। इसी दौरान 2015 के अगस्त में एक महिला, जिसने खुद को दिव्या उर्फ़ दक्ष बताया, व्यापारी के संपर्क में आई। उसने लोन दिलाने के बहाने फोन पर बातचीत शुरू की, लेकिन व्यापारी ने जवाब नहीं दिया। कुछ दिनों बाद, उसने दो आपत्तिजनक वीडियो व्हाट्सएप पर भेज दिए।

इसके बाद व्यापारी ने यह बात प्रवीण भालाला को बताई, तो प्रवीण ने उसे महिला से दोस्ती करने और मिलने की सलाह दी। व्यापारी जब महिला से मिलने पहुंचा, तो उसे होटल ले जाया गया, जहां कुछ देर बातचीत के बाद महिला ने तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर वहां से निकल गई।

रात को व्यापारी के पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया और खुद को पीएसआई (पुलिस उप-निरीक्षक) बताते हुए कहा कि तुमने एक महिला के साथ छेड़छाड़ की है, तुम्हारे खिलाफ शिकायत दर्ज होगी। इसके बाद महिला के रिश्तेदार बताकर कुछ अन्य लोगों ने फोन किया और गाली-गलौज और धमकी देने लगे। डर के मारे व्यापारी ने फिर से प्रवीण भालाला से संपर्क किया। प्रवीण ने भरोसा दिलाया कि वह पुलिस से बात कर मामला सुलझा देगा। कुछ समय बाद, प्रवीण ने व्यापारी को बताया कि महिला और उसके परिवार वाले मामला वापस लेने के बदले 25 लाख रुपये मांग रहे हैं।

काफी बातचीत के बाद, 14 लाख रुपये में समझौता हुआ और व्यापारी ने अपने दोस्त और बैंक खाते से पैसे निकालकर प्रवीण भालाला को दे दिए। इसके बाद प्रवीण ने व्यापारी का फोन फॉर्मेट कर दिया और कहा कि मामला सुलझ गया है।

बाद में, व्यापारी को शक हुआ और जब उसने जांच की, तो पता चला कि दिव्या उर्फ़ दक्ष प्रवीण भालाला के लिए काम करती थी और प्रवीण पहले भी इस तरह के हनीट्रैप मामलों में शामिल रहा है। जब 6.16 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में प्रवीण का नाम सामने आया, तो व्यापारी ने हिम्मत जुटाकर वराछा पुलिस स्टेशन में प्रवीण भालाला और दिव्या उर्फ़ दक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

फरलो छुट्टी के बहाने फरार आरोपी पकड़ा गया

पॉक्सो मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए हुए फरार आरोपी को गोड़ादरा से गिरफ्तार कर लाजपुर केंद्रीय जेल भेजा गया।

सूरत में पुलिस कस्टडी में दुष्कर्म केस के आरोपी की मौत

बेटी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी की पुलिस कस्टडी में मौत

वराछा पुलिस स्टेशन के लॉकअप में शर्ट से फांसी लगाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा पुलिस स्टेशन में पुलिस हिरासत में दुष्कर्म आरोपी की मौत की घटना सामने आई है। आरोपी ने लॉकअप में अपनी शर्ट से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर तुरंत 108 एंबुलेंस बुलाई गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्मीमेर अस्पताल भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय आरोपी अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहता था। उसने अपनी 17 साल की नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकतें और दुष्कर्म किया था। इस मामले में वराछा पुलिस स्टेशन में पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की धाराओं के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत दर्ज होने के बाद

आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया था और पीड़िता का बयान भी दर्ज किया गया था।

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी ने आत्महत्या कैसे की और क्या पुलिस कस्टडी में सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आगे की सच्चाई सामने आएगी।

डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि वराछा पुलिस स्टेशन में एक दुखद घटना हुई है। इसमें एक व्यक्ति, जो POCSO और धारा 376 (बलात्कार) का आरोपी था, ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आरोपी अपनी बेटी से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था, और पुलिस उससे पूछताछ कर रही थी। सरकारी पंचों की मौजूदगी में गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही थी।

इसी दौरान, आरोपी बाथरूम गया और वहां की ग्रिल से अपनी शर्ट बांधकर फांसी लगा ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे जांच जारी है।

सूरत के वराछा पुलिस स्टेशन में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। अपनी ही बेटी के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने पुलिस लॉकअप में शर्ट से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए स्मीमेर अस्पताल भेज दिया।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था और वह पुलिस हिरासत में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आरोपी ने आत्महत्या कैसे की और क्या इस मामले में कोई लापरवाही हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

SMC में पुलिस और AAP पार्षद के बीच झड़प

सूरत नगर निगम में आज आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन,पुलिस और AAP कार्यकर्ताओं में झड़प

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम (SMC) में आज आम आदमी पार्टी (AAP) द्वारा विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई थी। विपक्ष का आरोप था कि अधिकारी समय पर संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं, जिससे वे काफी समय से नाराज थे। इसी के चलते AAP ने अचानक विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की।

प्रदर्शन के दौरान AAP कार्यकर्ताओं ने एक पुलिसकर्मी पर शराब पीने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं और पार्षदों की खिंचाई करते हुए पुलिस ने कहा, "शराब पी है न...? चलो, टेस्ट करवाते हैं।"

इस दौरान माहौल गरम हो गया और पुलिस व॰क्ष कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस छिड़ गई। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को मेडिकल टेस्ट कराने की चुनौती दी, जिससे मामला और तूल पकड़ गया। फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और पूरे मामले की जांच जारी है।

विपक्षी पार्षदों और पुलिस के बीच झड़प, विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा

सूरत नगर निगम (SMC) में आज आम आदमी पार्टी (AAP) के पार्षदों और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी नेताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा, "पुलिस-अधिकारी भाई-भाई, मिलकर खाते मलाई..."

विपक्षी पार्षदों ने नगर आयुक्त से मिलने की मांग की, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने यह कहकर उन्हें रोक दिया कि आयुक्त बैठक में व्यस्त हैं।

इसके बाद AAP के पदाधिकारियों और पार्षदों ने पूरे निगम भवन में "राम नाम सत्य है" के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया।

हालात बिगड़ते देख लालगेट पुलिस थाने के PI समेत पुलिस बल नगर निगम पहुंचा। यहां पुलिस और AAP पार्षदों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस कांस्टेबल पर नशे में होने का आरोप

AAP पार्षदों ने पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि एक पुलिस कांस्टेबल नशे में था। महिला पार्षदों सहित अन्य प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने जबरदस्ती हटाया और उनके साथ अभद्रता की।

"PI ने मेरा हाथ खींचकर रोका"- पायल साकरिया**

विपक्षी नेता पायल साकरिया ने कहा, "हम जनता के मुद्दों पर अधिकारियों से सवाल पूछना चाहते हैं। लोकतंत्र में हमें नगर आयुक्त से मिलने का अधिकार है, लेकिन वे हमें मिलने नहीं देते और हमारे पत्रों का जवाब भी नहीं देते। जब हमने विरोध किया, तो मैं अपनी ऑफिस जा रही थी।

उसी दौरान PI ने, महिला पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद, मेरा हाथ पकड़कर जबरन रोकने की कोशिश की। यह बेहद आपत्तिजनक है। मैं नारेबाजी भी नहीं कर रही थी, फिर भी PI ने मुझे जबरन खींचने की कोशिश की।"

फिलहाल, इस घटना को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है और पुलिस एवं प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

सचिन GIDC पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

सूरत में गैस सर्विस की दुकानों की आड़ में अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कुछ इलाकों में गैस सर्विस की दुकानों की आड़ में अवैध गैस रिफिलिंग का धंधा चल रहा था। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सचिन GIDC पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 दुकानों पर एक साथ छापा मारा।

चार अलग-अलग पुलिस टीमों ने एक साथ छापेमारी कर 8 दुकानदारों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपियों को गैस सिलेंडर से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए पकड़ा। इस दौरान भरे और खाली गैस सिलेंडर, गैस रिफिलिंग मशीन, पाइप, इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग स्केल समेत कुल 1,07,750 का सामान जब्त किया गया।

अवैध गैस रिफिलिंग से आग लगने और विस्फोट होने की आशंका रहती है, जिससे बड़े हादसे हो सकते हैं। पुलिस ने बताया कि सभी 8 आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सचिन GIDC पुलिस ने स्पष्ट किया कि अगर कोई दोबारा ऐसी अवैध गतिविधि में पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

सीए महेश मित्तल बने अग्रवाल विकास महासभा के सीनियर वॉइस प्रेसिडेंट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सीए महेश मित्तल को निर्विरोध श्री अग्रवाल विकास महासभा, गुजरात के सीनियर वॉइस प्रेसिडेंट बनाया गया। श्री अग्रवाल विकास महासभा, गुजरात में पूरे गुजरात की 63 इकाइयाँ शामिल है। सूरत की अग्रवाल समाज की आठों इकाइयाँ भी इसमें शामिल है। इस मौके पर सभी इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सीए महेश मित्तल को बधाई दी एवं प्रसन्नता व्यक्त की ।

इस अवसर पर सीए महेश मित्तल ने कहा की वो पद पर रहकर गुजरात के सभी अग्रवालों की एकता एवं संगठन को मजबूत करेंगे और गुजरात को विकसित गुजरात बनाकर विकसित भारत के सपनों को पूरा करेंगे।

पोस्ट ऑफिस में कर्मचारी की आत्महत्या का मामला

13 लाख जमा कराने के बावजूद और पैसे की मांग, उच्च अधिकारियों की धमकी से परेशान होकर पोस्टल असिस्टेंट ने दी जान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पोस्ट ऑफिस के एक कर्मचारी की आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक,पोस्टल असिस्टेंट ने 13 लाख जमा कराने के बावजूद अधिकारियों की ओर से और पैसों की मांग और धमकियों से परेशान होकर अपनी जान दे दी।

पोस्टल असिस्टेंट पर कुछ आर्थिक अनियमितताओं का आरोप था, जिसके चलते अधिकारियों ने उस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। कर्मचारी ने पहले ही 13 लाख की रकम जमा कर दी थी, लेकिन फिर भी अधिकारी और पैसों की मांग कर रहे थे। अधिकारियों की लगातार धमकियों और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद परिजनों ने पोस्ट ऑफिस के उच्च अधिकारियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने (दुष्प्रेरणा) का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है, और आगे की कार्रवाई जल्द की जाएगी।